घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 23, अंक - 20- रविवार 22- नवम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

प्रधानमंत्री मोदी ने नीतीश सेतु का उद्घाटन किया, गमछा लहराया...

जिस बिहार में घोटालों की गिनती होती थी, वहां अब निवेश के आंकड़े आते हैं : पीएम मोदी



हाजीपुर/पटना,21 नवम्बर 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार के वैशाली में गंगा नदी पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल का उद्घाटन किया। ब्रिज का नाम बिहार के पूर्व सीएम नीतीश कुमार के नाम पर 'नीतीश सेतु' रखा गया है। पीएम मोदी ने उद्घाटन से पहले पूर्व सीएम नीतीश कुमार को गले लगाया। उद्घाटन के बाद पुल पर टहलते हुए गमछा लहराया। पीएम मोदी ने कहा...एनडीए की सरकार से पहले बिहार में घोटालों की गितनी होती थी। अब यहां निवेश के आंकड़े गिने जा रहे हैं।



तीन दशक पहले बिहार को नीतीश के नेतृत्व में सुशासन मिला

पीएम मोदी ने अपने 16 मिनट के भाषण में कहा...गंगा मैया पर बने इस पुल का नाम नीतीश जी के सम्मान में रखा गया है। ये उनकी सेवा समर्पण के सम्मान का प्रतीक है। करीब तीन दशक पहले बिहार ने उम्मीद,विश्वास की नई राह चुनी थी। जिस बिहार को दशकों तक बदहाली झेलनी पड़ी,उसे नीतीश जी के नेतृत्व में सुशासन का भरोसा मिला।

कांग्रेस नारे लगाती रही,हमने गरीबी हटाई...

पीएम ने कहा...साफ नीयत से काम होता है तो नतीजे दिखते हैं। जिस देश में कांग्रेस गरीबी हटाओ के नारे लगाती रही। वहां 12 साल के भीतर 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। यह सरकार की इच्छाशक्ति का परिणाम है। पीएम मोदी ने रिमोट का बटन दबाकर 21 विभागों की 227 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इन योजनाओं की लागत 34,470 करोड़ से ज्यादा है।

बिहार के विकास की लिस्ट लंबी

मोदी बोले- एनडीए के शासन में विकास की होड़ दिखती है। हर इलाके में विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। डबल इंजन सरकार में पिछले एक साल में दो लाख करोड़ रुपए के निवेश समझौते किए गए। सिंचाई के लिए 12 घंटे बिजली सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है। एक साल में 200 से ज्यादा डिग्री कॉलेज खोले गए। बिहार के विकास की लिस्ट इतनी लंबी है कि इसे किसी एक मंच से नहीं गिनाया जा सकता।

पीएम बोले...अब बिहार में निवेश के आंकड़े आते हैं...

मोदी ने कहा...एक समय था जब बिहार में गांवों में बिजली नहीं थी आज वही बिहार बिजली उत्पादन का केंद्र बन रहा है। आज शहरी यातायात को सुविधाजनक बनाने के लिए 100 आधुनिक पीएम ई-बसों को हरी झंडी दिखाई गई। पीएम आवास योजना के तहत हजारों परिवारों को उनके पक्के घरों की चाभी सौंपी गई। एनडीए के शासन से पहले बिहार में घोटालों की गिनती होती थी। आज बिहार में निवेश के आंकड़े पेश किए जाते हैं।

मोदी बोले...नीतीश सेतु उनके सेवा समर्पण का सम्मान

पीएम ने कहा...गंगा मईया पर बने इस पुल को जनता के लिए समर्पित किया गया। इस ब्रिज का नाम नीतीश जी के सम्मान में रखा गया है। ये उनकी सेवा समर्पण के सम्मान का प्रतीक है। इस पुल से पटना और वैशाली की दूरी और दिक्कतें कम हो गई। फल, सब्जियां, दूध को बड़े बाजार तक पहुंचाना आसान हो जाएगा। बच्चों को पढ़ाई में,बुजुर्गों को दवाई में सहायता मिलेगी।

पीएम ने कहा...रामविलास पासवान की आत्मा हम से खुश होगी

पीएम मोदी ने कहा...नीतीश ने सीएम रहते कई साल बिहार की सेवा की,अब उनके आशीर्वाद से सम्राट चौधरी की टीम आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में विकास परियोजनओं का शिलान्यास हुआ है। मेरे मित्र रामविलास पासवान की आत्मा जहां भी होगी, हम पर फूलों की बरसा करती होगी क्योंकि उनके सपने भी साकार हो रहे।

पीएम बोले...नीतीश ने सुशासन का भरोसा दिया

मोदी ने कहा...करीब तीन दशक पहले बिहार ने उम्मीद,विश्वास की नई राह चुनी थी। जिस बिहार को दशकों तक बदहाली झेलनी पड़ी उसे नीतीश जी के नेतृत्व में सुशासन का भरोसा मिला।

मोदी बोले...वैशाली की मिट्टी को नमन

पीएम बोले...हमें लोकतंत्र की ताकत को जन कल्याण का माध्यम बनाया है,इसीलिए आज जब एनडीए सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा हो रहा है तो इस आयोजन के लिए लोकतंत्र की महान धरती वैशाली को चुना गया। मैं वैशाली की मिट्टी को नमन करता हूं। बिहार के मेरे प्यारे भाई बहनों,मैं यहां सीएम का,नेताओं का आभार व्यक्त करता हूं। आप सबके दर्शन करने का मौका मिला। इतना बड़ा समुदाय मुझे नहीं लगता कैमरे में कैद हो पाएगा। यह विकास के प्रति जागरूकता का सबूत है। छठी मैया के आशीर्वाद से हम विकास का यह पर्व मना रहे हैं।

सम्राट बोले...पूरा पुल ही नीतीशमय हो गया



बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा- पीएम के नेतृत्व में आज यहां पर नीतीश सेतु के पुल का उद्घाटन हुआ है। कुछ कहते थे कि प्रोटोकाल के तहत सीएम,पीएम का फोटो लगा था,मैं तो कहता हूं कि पूरा पुल ही नीतीशमय हो गया।

चिराग बोले...पीएम ने हमारी सालों पुरानी मांग पूरी की



केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा सांसद होने के नाते मेरे लिए गर्व की बात है पीएम मोदी मेरे संसदीय क्षेत्र में आए। जनता की एक बड़ी मांग को पूरा कर रहे हैं। आज हम बिहारियों को यह पुल समर्पित किया।

डिप्टी सीएम बोले...नीतीश हम सबके दिल में बसते हैं...

बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने कहा...आपने जिस पुल का उद्घाटन किया और जिस पर चलकर आए आपने पुल का नाम नीतीश सेतु रखा। इस निर्णय ने बिहार वासियों के दिल को छूआ है।

नीट पेपर लीक मामले में 14 आरोपियों पर आरोप तय,25 नवंबर से रोजाना सुनवाई



नई दिल्ली,21 नवम्बर 2026। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में दिल्ली की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने शनिवार को 14 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए हैं। खास बात यह है कि आरोपियों में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए से जुड़े तीन सब्जेक्ट एक्सपर्ट भी शामिल हैं। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सभी 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किया है। हालांकि सभी आरोपियों ने आरोप स्वीकार करने से इन्कार किया है। 25 नवंबर से इन आरोपियों के खिलाफ ट्रायल शुरू होगा। कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए हैं,उनमें यश यादव, मांगीलाल बिवाल,दिनेश बिवाल,विकास बिवाल,शुभम खैरनार,धनंजय लोखंडे,प्रहलाद कुलकर्णी,तेजस हर्षद कुमार,डॉ. मनोज शिरुरे,शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर,मनीषा वाघमारे,मनीषा मंधारे और मनीषा संजय हवालदार के नाम शामिल हैं। इस मामले में सीबीआई ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में 20,000 पन्नों का आरोप पत्र दाखिल किया है सीबीआई ने नीट पेपर लीक मामले में अपना पहला आरोप पत्र जुलाई में दाखिल किया था। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 12 अगस्त को सीबीआई के आरोप पत्र पर संज्ञान लिया था।

हरिद्वार के नमामि गंगे घाट पर मुख्यमंत्री योगी की मां का अंतिम संस्कार,छोटे बेटे ने दी मुखाग्नि



हरिद्वार,21 नवम्बर 2026। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शनिवार को हरिद्वार के नमामि गंगे घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री योगी के सबसे छोटे भाई महेंद्र सिंह बिष्ट ने मुखाग्नि दी। मां को अंतिम विदाई देते समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद भावुक नजर आए। उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े और वह बार-बार आंसू पोंछते दिखाई दिए। सावित्री देवी का पार्थिव शरीर शनिवार सुबह उनके पैतृक गांव पंचूर से हरिद्वार स्थित नमामि गंगे घाट पहुंचा। यहां अंतिम दर्शन के लिए उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कई बड़े राजनीतिक नेता,मंत्री,सांसद,विधायक और संत-महात्मा पहुंचे। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी सावित्री देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि के बाद पूरे राजकीय सम्मान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अंतिम संस्कार की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इस दौरान घाट पर सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धांजलि देने के लिए आए लोगों की भारी भीड़ के कारण घाट पर दबाव बढ़ गया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस और प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

बाराबंकी में एम्बुलेंस और पिकअप की टक्कर में 5 लोगों की मौत,शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया

बाराबंकी,21 नवम्बर 2026। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह एंबुलेंस और पिकअप की भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। हादसा सुबेहा थाना क्षेत्र के गेरांवा गांव के पास सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। एंबुलेंस जयपुर से एक शव लेकर पश्चिम बंगाल जा रही थी। इसी दौरान उसकी पिकअप से टक्कर हो गई। हादसे में एंबुलेंस सवार पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एंबुलेंस के दोनों चालक भी शामिल हैं। क्षेत्राधिकारी समीर सिंह ने बताया कि एंबुलेंस संख्या आरजे 14 पीएफ 8529 की पिकअप संख्या यूपी 78 जीटी 6480 से टक्कर हुई थी। हादसे में अमीनुल हक (40) पुत्र अब्दुल हुसैन और रुपिक (50) पुत्र अब्दुल रहमान, निवासी ग्राम मुक्ती बाला भूत,पश्चिम बंगाल, मकबूल खान (52) पुत्र सुभान,निवासी जवारनगर,जयपुर,अजय (33) पुत्र प्रकाश चंद्र सैनी, निवासी ग्राम ताल सीढ़ी,जिला दौसा और हरिओम योगी (31) पुत्र जयसिंह,निवासी पीपल खेर,जिला अलवर की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार,अजय और हरिओम एंबुलेंस के चालक थे। हादसे के बाद पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मुंबई-हैदराबाद समेत 3 शहरों के मेटा ऑफिस में तोड़फोड़-हंगामा

4 पर एफआईआर,यूथ कांग्रेस बोली-बीजेपी के कहने पर नेताओं के अकाउंट सस्पेंड किए



मुंबई/हैदराबाद,21 नवम्बर 2026। हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम में मेटा के ऑफिसों के बाहर प्रदर्शन और तोड़फोड़ के मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। मुंबई पुलिस ने शनिवार को यूथ कांग्रेस के चार नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। यूथ कांग्रेस ने शुक्रवार को विपक्षी नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट सस्पेंड किए जाने के खिलाफ तीन शहरों में मेटा ऑफिसों के बाहर प्रदर्शन किया था।

हैदराबाद में प्रदर्शनकारी मेटा ऑफिस के अंदर घुस गए और वहां तोड़फोड़ की। मुंबई में प्रदर्शन के दौरान बिल्डिंग के शीशे पर 'आरएसएस का बेटा मेटा' लिखा गया। वहीं, गुरुग्राम में प्रदर्शनकारियों ने ऑफिस के मेन गेट पर ताला लगा दिया। यूथ कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा के इशारे पर मेटा ने 19 नवंबर को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड कर दिए थे। संगठन ने मेटा को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है। उसका कहना है कि अगर इस दौरान विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और कंटेंट क्रिएटर्स के अकाउंट पर लगी पाबंदियां नहीं हटाई गईं तो देशभर में मेटा ऑफिसों के बाहर प्रदर्शन किए जाएंगे।

मुंबई में प्रदर्शन के दौरान शीशे पर लिखा नारा

मुंबई के बीकेसी स्थित वर्ल्ड वन बिल्डिंग में 20 नवंबर को शाम करीब 5:40 बजे 20 से 25 लोग इकट्ठा हुए थे। एफआईआर के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान लाल फूलों वाली ड्रेस पहनी एक महिला ने बिल्डिंग के शीशे पर 'आरएसएस का बेटा मेटा' लिखा। इससे शीशे को नुकसान पहुंचा। पुलिस ने जिन चार लोगों को नामजद किया है, उनमें जीना सबरीन,नेशनल यूथ कांग्रेस सचिव पवन मजेठिया,निखिल रुपारेल और जाफर शामिल हैं। इसके अलावा 15 से 20 अज्ञात महिलाओं को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 223,महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की धारा 37(3) और 135 और महाराष्ट्र प्रिवेंशन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट,1995 की धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया है।

हैदराबाद में 21 प्रदर्शनकारी हिरासत में लिए गए

तेलंगाना यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जक्किडी शिव चरण रेड्डी के नेतृत्व में कार्यकर्ता हैदराबाद स्थित मेटा ऑफिस पहुंचे थे। सामने आए वीडियो में प्रदर्शनकारी ऑफिस के गलियारों और कैफेटेरिया में दिखाई दिए। पुलिस ने 20 से 21 प्रदर्शनकारियों को एहतियातन हिरासत में लिया था। करीब तीन घंटे बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

अरुणाचल प्रदेश में विकास,सुरक्षा और शांति

पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण : अमित शाह



इटानगर,21 नवम्बर 2026। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि अरुणाचल प्रदेश का विकास, वहां कानून-व्यवस्था बनाए रखना और शांति कायम रखना पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश पुलिस को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति का ध्वज (प्रेसिडेंट्स कलर) प्रदान किया जाना राज्य के लोगों के लिए गर्व का विषय है। अमित शाह बंदरदेवा स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में अरुणाचल प्रदेश पुलिस को राष्ट्रपति का ध्वज प्रदान करने के लिए आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अरुणाचल प्रदेश पुलिस, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), असम राइफल्स और अन्य सुरक्षा बलों के योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा कि ये बल अरुणाचल प्रदेश और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात रहकर देश की सुरक्षा और शांति बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में राज्य में स्वीकृत और पूरी की गई विभिन्न विकास परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। इनमें सेला सुरंग, ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, सड़क, रेलवे और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शामिल हैं। प्रस्तावित सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना (एसयूएमपी) का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि यह राष्ट्रीय महत्व की परियोजना है। इसे अरुणाचल प्रदेश के विकास,देश की ऊर्जा सुरक्षा,राज्य की आय बढ़ाने, रणनीतिक हितों और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार स्थानीय लोगों को विश्वास में लेकर ही इस परियोजना को आगे बढ़ाएगी। इसके लिए स्थानीय समुदायों की संस्कृति,परंपराओं और भावनाओं का सम्मान करते हुए बातचीत और परामर्श के जरिए रास्ता निकाला जाएगा।

भारत में ब्याज दरें कम...इसलिए 7% विकास दर,हम घटाएं तो 15% ग्रोथ संभव : ट्रम्प



वॉशिंगटन डीसी,21 नवम्बर 2026। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत की 7% जीडीपी ग्रोथ का उदाहरण देकर अपने देश के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भारत में ब्याज दरें कम हैं, इसलिए उसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। अगर अमेरिका में भी ब्याज दरें कम रखी जाएं तो वहां की ग्रोथ 15 से 20% तक पहुंच सकती है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा कि जब भी अमेरिका के आर्थिक आंकड़े अच्छे आते हैं तो फेडरल रिजर्व ब्याज दरें बढ़ा देता है। जबकि ऐसे समय में दरें कम होनी चाहिए, ताकि कारोबार और निवेश को बढ़ावा मिले। हालांकि भारत में आरबीआई की रेपो रेट 5.50% है,जबकि अमेरिका में फेडरल रिजर्व की ब्याज दर 3.75% से 4% के बीच है।

ट्रम्प बोले...अर्थव्यवस्था अच्छी हो तो ब्याज दरें बढ़ाना गलत

ट्रम्प ने फेडरल रिजर्व को राजनीतिक बताते हुए कहा कि वह ब्याज दरों को लेकर सही फैसला नहीं ले रहा है। उनके मुताबिक,जब देश की अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही हो तो ब्याज दरें कम करनी चाहिए। इससे कंपनियों और लोगों के लिए कर्ज लेना सस्ता होगा और आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी।

विदेश मंत्री ने अपने बुल्गारियाई समकक्ष के साथ दोनों देशों के बीच व्यापार,निवेश व सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा



नई दिल्ली, 21 नवम्बर 2026। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को बुल्गारिया की विदेश मंत्री वेलिस्लावा पेत्रोवा-चामोवा के साथ बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापार, संपर्क, निवेश, प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और प्रतिभा आवागमन के क्षेत्र में सहयोग की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के बाद दोनों देशों के कारोबारियों के बीच सक्रिय संपर्क बढ़ाने और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) सहित अन्य संपर्क परियोजनाओं की संभावनाओं पर भी चर्चा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि बैठक में काला सागर क्षेत्र की स्थिति और यूक्रेन संघर्ष पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दोनों पक्षों ने भारत-यूरोपीय संघ एफटीए के बाद कारोबारियों के बीच सक्रिय संपर्क के जरिये आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई।

विदेश मंत्री ने बैठक की जानकारी साझा करते हुए दोनों देशों के बीच बढ़ते जनसंपर्क और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की सराहना की। उन्होंने भारत और यूरोपीय संघ के बीच गहरे होते संबंधों पर भी चर्चा की। इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में बुल्गारिया की विदेश मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की थी। राष्ट्रपति ने विश्वास जताया था कि 17 वर्षों बाद बुल्गारिया के किसी विदेश मंत्री की भारत यात्रा दोनों देशों की साझेदारी को नई गति देगी। राष्ट्रपति मुर्मु ने व्यापार एवं निवेश, रक्षा,शिक्षा,विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष,आवागमन, सांस्कृतिक संबंधों और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की थी।

बुल्गारिया की विदेश मंत्री 20 से 22 नवंबर तक तीन दिवसीय आधिकारिक भारत यात्रा पर हैं। 17 वर्षों में किसी बुल्गारियाई विदेश मंत्री की यह पहली भारत यात्रा है।

संपादकीय

किसान हितैषी घोषणाओं की असली कसौटी होगा जमीनी क्रियान्वयन

छत्तीसगढ़ की पहचान धान के कटोरे के रूप में है। यहां खेती केवल आजीविका का साधन नहीं,बल्कि प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद है। इसलिए किसानों को मिलने वाला समर्थन मूल्य और सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश की कृषि व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी और कृषक उन्नति योजना के तहत 13,839 रुपये प्रति एकड़ सहायता की घोषणा को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। भाजपा की ओर से इन फैसलों को किसान हितैषी बताते हुए 27.50 लाख से अधिक किसानों को लाभ मिलने का दावा किया गया है। साथ ही धान खरीदी की अधिकतम सीमा 21 क्विंटल प्रति एकड़, 72 घंटे में भुगतान और 360 नए उपार्जन केंद्र शुरू करने की जानकारी दी गई है। ये व्यवस्थाएं किसानों को राहत देने की दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती हैं,लेकिन इनकी सफलता का वास्तविक आकलन तभी संभव है,जब इनका लाभ बिना परेशानी और समय पर किसानों तक पहुंचे।सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती खरीदी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने की है। टोकन,बारदाने,तौल,परिवहन और भुगतान में देरी जैसी समस्याएं अक्सर किसानों की परेशानी बढ़ाती हैं। विशेषकर सरगुजा और बस्तर जैसे आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में दूरस्थ गांवों के किसानों के लिए खरीदी केंद्र तक पहुंचना भी चुनौती है। ऐसे में केवल केंद्रों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा,बल्कि वहां आवश्यक संसाधन और बेहतर प्रबंधन भी सुनिश्चित करना होगा।

कृषक उन्नति योजना के तहत प्रति एकड़ सहायता की व्यवस्था छोटे किसानों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। वहीं धान के स्थान पर दूसरी फसल लेने वाले किसानों को 15 हजार रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन देने की पहल कृषि विविधीकरण को बढ़ावा दे सकती है। हालांकि,फसल परिवर्तन के लिए आर्थिक सहायता के साथ बीज,सिंचाई,तकनीकी मार्गदर्शन और उपज के उचित बाजार की उपलब्धता भी जरूरी है। किसानों को तभी दूसरी फसल अपनाने का भरोसा मिलेगा,जब उसकी बिक्री की व्यवस्था भी सुनिश्चित हो। कृषि क्षेत्र की चुनौतियां केवल धान के समर्थन मूल्य तक सीमित नहीं हैं। खाद,बीज,डीजल,मजदूरी और सिंचाई की बढ़ती लागत के बीच किसान की आय को स्थिर रखना भी सरकार की जिम्मेदारी है। भूमिहीन कृषि मजदूरों के लिए घोषित सहायता योजनाओं का लाभ भी पात्र परिवारों तक समय पर पहुंचना चाहिए। किसानों के मुद्दे पर राजनीतिक दलों के बीच श्रेय लेने की प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है,लेकिन कृषि व्यवस्था का मूल्यांकन राजनीतिक दावों से नहीं,किसानों के अनुभव से होना चाहिए। सरकार की योजनाओं का लाभ कितने किसानों को मिला, भुगतान निर्धारित समय में हुआ या नहीं और खरीदी केंद्रों पर किसानों को कितनी सुविधा मिली, इन सवालों का जवाब भी सार्वजनिक होना चाहिए। छत्तीसगढ़ की आर्थिक मजबूती का रास्ता खेतों से होकर गुजरता है। इसलिए किसान हितैषी घोषणाओं को प्रभावी व्यवस्था में बदलना आवश्यक है। 3100 रुपये का समर्थन मूल्य हो या प्रति एकड़ आर्थिक सहायता, इनका वास्तविक महत्व तभी है जब किसान को सम्मानजनक आय, समय पर भुगतान और खेती के लिए भरोसेमंद व्यवस्था मिले। घोषणाएं उम्मीद जगाती हैं,लेकिन उनका जमीनी क्रियान्वयन ही किसानों का विश्वास मजबूत करेगा।

दुनिया में युद्ध नहीं,संवाद से बनेगी शांति


सौरभ वार्ष्णेय
उत्तमनगर,नई दिल्ली


प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

आज पूरी दुनिया युद्ध,आतंकवाद,क्षेत्रीय संघर्ष,आर्थिक प्रतिस्पर्धा और कूटनीतिक तनाव के दौर से गुजर रही है। कहीं सीमाओं को लेकर विवाद है तो कहीं धार्मिक और वैचारिक मतभेद हिंसा का रूप ले रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया के तनाव तक,दुनिया के सामने शांति और स्थिरता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे समय में भारत की राजधानी नई दिल्ली में शंघाई सहयोग संगठन एससीओ के पहले सभ्यतागत संवाद मंच का आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति को एक नई दिशा देने की महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक पुराना किला में इस मंच का उद्घाटन करना भारत की उस सभ्यतागत सोच को रेखांकित करता है, जिसमें युद्ध के बजाय संवाद,टकराव के बजाय सहयोग और वर्चस्व के बजाय सह-अस्तित्व को प्राथमिकता दी गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में उचित ही कहा कि जब दुनिया में युद्ध और अशांति की चर्चा हो रही है, तब सभ्यताओं के बीच संवाद की पहल बेहद महत्वपूर्ण है। वैश्विक शांति की सबसे मजबूत गारंटी सांस्कृतिक जुड़ाव है। यह विचार आज के अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में विशेष महत्व रखता है। दुनिया ने बार-बार देखा है कि केवल सैन्य शक्ति, हथियारों का विस्तार और आर्थिक प्रतिबंध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं दे सकते। युद्ध किसी एक देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा,ऊर्जा आपूर्ति और मानवीय जीवन पर पड़ता है। ऐसे में शांति की तलाश केवल राजनीतिक समझौतों से नहीं, बल्कि समाजों और सभ्यताओं के बीच विश्वास पैदा करने से भी संभव है। भारत की सभ्यतागत विरासत इस दिशा में उसकी सबसे बड़ी ताकत है। हजारों वर्षों से भारत ने विविधता को संघर्ष का नहीं,बल्कि सह-अस्तित्व का आधार बनाया है। यहां अलग-अलग भाषाएं,धर्म,संस्कृतियां, परंपराएं और जीवन पद्धतियां एक साथ विकसित हुई हैं। भारतीय दर्शन का मूल संदेश ही वसुधैव कुटुम्बकम अर्थात पूरी दुनिया एक परिवार है। यह विचार केवल आदर्शवादी नारा नहीं,बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मानवीय दृष्टिकोण से देखने की एक व्यापक अवधारणा है। भारत की यही सोच उसे वैश्विक मंचों पर संवाद और सहयोग का समर्थक बनाती है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में लगभग पांच हजार वर्ष पुराने सिंधु घाटी और मेसोपोटामिया के व्यापारिक संबंधों का उल्लेख कर यह याद दिलाया कि सभ्यताओं का विकास कभी अलग-थलग रहकर नहीं हुआ। प्राचीन व्यापार मार्गों ने भारत,चीन,मध्य एशिया और यूरेशिया के विभिन्न क्षेत्रों को आपस में जोड़ा था। इन मार्गों से केवल वस्तुओं का व्यापार नहीं होता था,बल्कि विचारों, भाषाओं,कलाओं,ज्ञान और परंपराओं का भी आदान-प्रदान होता था। यही सांस्कृतिक संपर्क मानव सभ्यता को समृद्ध बनाता रहा। इतिहास का यह उदाहरण आज भी प्रासंगिक है,क्योंकि आधुनिक दुनिया में तकनीक और परिवहन ने भौगोलिक दूरियां कम कर दी हैं, लेकिन मानसिक और वैचारिक दूरियां अब भी बनी हुई हैं। इन्हें समाप्त करने के लिए ऐसे मंचों की आवश्यकता है जहां देश एक-दूसरे की संस्कृति और संवेदनाओं को समझ सकें।

एससीओ लंबे समय से सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय संपर्क जैसे विषयों पर सहयोग बढ़ाने का प्रयास करता रहा है। लेकिन बदलते वैश्विक हालात में इस संगठन की भूमिका केवल सामरिक और आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसके सदस्य देशों के बीच ऐतिहासिक,धार्मिक, भाषाई और सांस्कृतिक संबंधों की लंबी परंपरा रही है। भारत, चीन, रूस,मध्य एशियाई देशों और अन्य सदस्य राष्ट्रों के बीच प्राचीन काल से संपर्क और आदान-प्रदान के अनेक उदाहरण मौजूद हैं। यदि इन साझा विरासतों को आधुनिक कूटनीति का आधार बनाया जाए तो क्षेत्रीय विश्वास बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सभ्यतागत संवाद मंच इसी दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है। इस आयोजन में पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसादिक मलिक की भागीदारी भी अपने आप में महत्वपूर्ण है। भारत और पाकिस्तान के संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। आतंकवाद, सीमा विवाद और राज नीतिक अविश्वास ने दोनों देशों के बीच सामान्य संबंधों की संभावनाओं को प्रभावित किया है। ऐसे माहौल में किसी बहुपक्षीय मंच पर दोनों देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी यह संदेश देती है कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग के कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं,जहां संवाद और सहभागिता के रास्ते खुले रखे जाने चाहिए। हालांकि यह स्पष्ट रहना चाहिए कि सांस्कृतिक संवाद का अर्थ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों की अनदेखी करना नहीं है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर रुख और शांति के लिए कूटनीतिक प्रयास एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि जिम्मेदार विदेश नीति के दो आवश्यक पक्ष हैं। 20 से 22 नवंबर तक आयोजित इस तीन दिवसीय मंच में एससीओ के सदस्य देशों के साथ पर्यवेक्षक और संवाद सहयोगी देशों की भागीदारी भी इसकी व्यापकता को दर्शाती है। भारतीय पुरातात्विक,कलात्मक और साहित्यिक विरासत को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी तथा 18 वीं सदी की महाभारत चित्रित पांडुलिपि भारतीय संस्कृति की गहराई और रचनात्मक समृद्धि को सामने लाती है। कला,संगीत, भाषा,साहित्य,वास्तुकला और दर्शन पर होने वाले विशेष सत्र इस बात का प्रमाण हैं कि संस्कृति केवल अतीत की स्मृतियों का संग्रह नहीं,बल्कि वर्तमान और भविष्य को जोडने वाली जीवंत शक्ति है। हालांकि किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच की सफलता केवल उद्घाटन समारोह, भाषणों और सांस्कृतिक प्रदर्शनियों से तय नहीं होती। उसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उससे निकलने वाले विचार व्यवहार में कितने उतरते हैं। क्या सदस्य देश सांस्कृतिक आदान-प्रदान के स्थायी कार्यक्रम शुरू करेंगे? क्या विद्यार्थियों,शोधकर्ताओं, कलाकारों और युवाओं को एक-दूसरे के देशों में जाने के अधिक अवसर मिलेंगे? क्या ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, पर्यटन,शिक्षा और भाषा के क्षेत्र में संयुक्त परियोजनाएं विकसित होंगी? इन सवालों के जवाब ही इस पहल की दीर्घकालिक उपयोगिता तय करेंगे।

आज दुनिया को ऐसे नेतृत्व और ऐसे मंचों की जरूरत है जो मतभेदों को दुश्मनी में बदलने के बजाय समाधान का रास्ता खोजें। भारत को अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक कूटनीतिक क्षमता के आधार पर इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यह भी जरूरी है कि सभ्यताओं के संवाद को किसी एक देश की श्रेष्ठता स्थापित करने का माध्यम न बनाया जाए,बल्कि सभी संस्कृतियों के सम्मान और समान भागीदारी का आधार बनाया जाए। निःस्संदेह, हथियारों की होड़ से दुनिया सुरक्षित नहीं हो सकती और न ही युद्ध किसी सभ्यता को स्थायी विजय दिला सकता है। स्थायी शांति तभी संभव है जब देशों के बीच विश्वास हो, समाजों के बीच सम्मान हो और विचारों के आदान प्रदान के रास्ते खुले हों। नई दिल्ली में आयोजित एससीओ का पहला सभ्यतागत संवाद मंच इसी उम्मीद का प्रतीक है।

भारत की पहल यदि ठोस सहयोग,सांस्कृतिक साझेदारी और आपसी विश्वास में परिवर्तित होती है तो यह केवल एससीओ ही नहीं,बल्कि पूरी दुनिया के लिए शांति का नया रास्ता खोल सकती है। दुनिया को युद्ध की भाषा नहीं,संवाद की संस्कृति चाहिए,क्योंकि मानवता का भविष्य हथियारों की ताकत से नहीं,बल्कि आपसी समझ और सहयोग से सुरक्षित होगा।

देश में बिजली संकट की आहट

ऊर्जा नीति के दावों और जमीनी हकीकत के बीच भारत

बिजली किसी सरकार की उपलब्धियों का विज्ञापन भर नहीं,बल्कि उसकी विकास क्षमता की वास्तविक परीक्षा है। जब उद्योग उत्पादन रोकने को मजबूर हों,किसान सिंचाई के लिए बिजली का इंतजार करें,शहरों में गर्मी के दौरान कटौती हो और उपभोक्ताओं को महंगी बिजली खरीदनी पड़े,तब ऊर्जा आत्मनिर्भरता के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। भारत का बिजली क्षेत्र आज इसी विरोधाभास से जूझ रहा है। एक ओर रिकॉर्ड बिजली उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार और भविष्य की बड़ी योजनाओं का उत्सव है,दूसरी ओर ईंधन संकट,कमजोर वितरण कंपनियां,अपर्याप्त भंडारण और मांग के दबाव जैसी चुनौतियां मौजूद हैं। बिजली क्षेत्र की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि हमारी ऊर्जा योजना कई बार वास्तविक मांग के बजाय स्थापित क्षमता के आंकड़ों पर अधिक केंद्रित दिखाई देती है। कितने मेगावाट संयंत्र स्थापित हुए, कितनी सौर परियोजनाएं शुरू हुईं और कितनी नई योजनाओं की घोषणा हुई– इन आंकड़ों से विकास का आकलन किया जाता है। लेकिन उपभोक्ता के लिए असली सवाल यह है कि जरूरत पड़ने पर बिजली उपलब्ध है या नहीं। स्थापित क्षमता और वास्तविक आपूर्ति के बीच का अंतर ही ऊर्जा नियोजन की गंभीर चुनौती है। बिजली संयंत्र का होना और उसका संकट के समय लगातार उत्पादन करना दो अलग-अलग बातें हैं।


डॉ. सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा



कोयले पर निर्भरता कम करने की बात वर्षों से हो रही है,लेकिन ताप विद्युत अभी भी भारतीय बिजली व्यवस्था की रीढ़ है। इस निर्भरता को स्वीकार करने के बजाय कई बार ऊर्जा संक्रमण की बहस को केवल स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार तक सीमित कर दिया जाता है। कोयले की आपूर्ति,रेलवे परिवहन, संयंत्रों में पर्याप्त भंडार और उत्पादन इकाइयों के रखरखाव पर गंभीर ध्यान नहीं दिया गया तो संकट के समय सारी योजनाएं कागज पर ही रह जाएंगी। ऊर्जा नीति में विरोधाभास नहीं, व्यावहारिकता चाहिए। जब तक वैकल्पिक स्रोत पर्याप्त,स्थिर और आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं बनते, तब तक पारंपरिक उत्पादन व्यवस्था को कमजोर करना जोखिमपूर्ण होगा।

सौर ऊर्जा का विस्तार निश्चित रूप से भविष्य की जरूरत है,लेकिन केवल सूरज चमकने के समय बिजली उपलब्ध होना ऊर्जा सुरक्षा नहीं है। शाम होते ही सौर उत्पादन घटता है,जबकि घरेलू और व्यावसायिक मांग कई क्षेत्रों में बढ़ जाती है। इस अंतर को भरने के लिए बैटरी भंडारण,पंप्ड स्टोरेज,जल विद्युत,परमाणु ऊर्जा और पर्याप्त नियंत्रित उत्पादन क्षमता की जरूरत है। सवाल यह है कि क्या हमारी योजनाएं इन व्यवस्थाओं को उसी गंभीरता से विकसित कर रही हैं, जिस गंभीरता से सौर क्षमता के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं? यदि भंडारण और ग्रिड की तैयारी पीछे रह गई,तो नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार भी नई अस्थिरता पैदा कर सकता है। बिजली वितरण कंपनियों की वित्तीय बदहाली इस संकट का एक ऐसा पहलू है जिसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वर्षों से घाटे में चल रही वितरण कंपनियां, तकनीकी नुकसान,बिजली चोरी, कमजोर बिलिंग व्यवस्था और राजनीतिक दबाव के कारण आर्थिक रूप से कमजोर होती रही हैं। मुफ्त बिजली और सब्सिडी की राजनीति अपनी जगह है,लेकिन यदि उसका भुगतान समय पर और पारदर्शी तरीके से नहीं होता,तो अंततः नुकसान बिजली व्यवस्था को उठाना पड़ता है। उपभोक्ता को राहत देने के नाम पर वितरण कंपनियों को वित्तीय संकट में छोड़ देना दूरदर्शी नीति नहीं है। सरकारों को यह समझना होगा कि कमजोर डिस्कॉम के सहारे विश्वस्तरीय बिजली व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती।

पारेषण व्यवस्था भी बिजली क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण कमजोरी है। बिजली उत्पादन बढ़ा देना पर्याप्त नहीं,यदि उसे जरूरत वाले क्षेत्र तक पहुंचाने के लिए नेटवर्क मजबूत न हो। कई बार बिजली की उपलब्धता और बिजली की जरूरत अलग-अलग क्षेत्रों में होती है,लेकिन सीमित पारेषण क्षमता के कारण उसका प्रभावी उपयोग नहीं हो पाता। आधुनिक ट्रांसमिशन लाइनें, अंतरराज्यीय नेटवर्क,स्मार्ट ग्रिड और तकनीकी निगरानी पर निवेश अब विकल्प नहीं,अनिवार्यता है। बिजली व्यवस्था में एक कमजोर कड़ी पूरे तंत्र को प्रभावित कर सकती है। बढ़ती बिजली मांग को भी अब सामान्य वृद्धि मानकर नहीं चलाया जा सकता। औद्योगिकीकरण, डिजिटल अर्थव्यवस्था,डेटा सेंटर,इलेक्ट्रिक वाहन,शहरीकरण और बढ़ती गर्मी ने बिजली की जरूरतों का स्वरूप बदल दिया है। आने वाले वर्षों में केवल पुराने मांग अनुमान पर्याप्त नहीं होंगे। सरकार, बिजली कंपनियों और नियामकों को भविष्य की जरूरतों का वास्तविक आकलन करना होगा। अन्यथा हर गर्मी, हर औद्योगिक विस्तार और हर मांग वृद्धि के साथ संकट प्रबंधन की स्थिति पैदा होती रहेगी। ऊर्जा क्षेत्र में सुधार का अर्थ केवल नई परियोजनाओं की घोषणा करना नहीं,बल्कि जवाबदेही तय करना भी है। बिजली खरीद में पारदर्शिता,वितरण कंपनियों के घाटे का वास्तविक आकलन,समयबद्ध परि योजना क्रियान्वयन,स्मार्ट मीटरिंग,ऊर्जा दक्षता और मांग प्रबंधन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उद्योगों को ऊर्जा बचत के लिए प्रोत्साहित किया जाए और घरेलू उपभोक्ताओं को भी दक्ष उपकरणों तथा बेहतर उपयोग के प्रति जागरूक बनाया जाए। बिजली की बचत केवल नैतिक अपील से नहीं, बल्कि तकनीक,प्रोत्साहन और प्रभावी नीति से संभव होगी।

भारत को ऊर्जा संक्रमण के नाम पर अव्यावहारिक लक्ष्य और बिजली संकट के नाम पर पुराने ढांचे से चिपके रहने–दोनों अतियों से बचना होगा। एक ओर पर्यावरणीय जिम्मेदारी है,दूसरी ओर आर्थिक विकास और करोड़ों उपभोक्ताओं की जरूरतें। इन दोनों के बीच संतुलन ही वास्तविक ऊर्जा नीति है। स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार हो,लेकिन उसके साथ भंडारण,ग्रिड,भरोसेमंद उत्पादन और आर्थिक स्थिरता भी विकसित हो। बिजली क्षेत्र की सफलता का पैमाना मेगावाट की घोषणाएं नहीं, बल्कि निर्बाध आपूर्ति,उचित बिल,मजबूत वितरण व्यवस्था और संकट के समय उपलब्ध ऊर्जा होना चाहिए। भारत को ऐसी बिजली व्यवस्था चाहिए जो केवल आंकड़ों में विशाल न हो, बल्कि नागरिकों के जीवन में भरोसेमंद हो। आखिर विकास का उजाला तभी सार्थक है,जब वह घोषणा-पत्रों और आंकड़ों से निकलकर घरों,खेतों, अस्पतालों और उद्योगों तक बिना बाधा पहुंचे। यही भारत की ऊर्जा नीति की असली कसौटी है।

पर्व त्योहारों मे फ्लाइट की मन मानी का कारण है ट्रेन में ओवर लोड



लौकिक जगत् के प्राणी के जीवन में अनेक उत्थान पतन आते हैं। उसे कभी सफलता मिलती है तो कभी विफलता । विफलता मिलती है तो वह रोता है। जीवन को सुख-दुःख का मिश्रण मानकर भगवन की शरण लेता है। उसकी आराधना करता है। उसके सामने मनौतीयाँ मानता है। उसकी पूजा करता है । व्रत रखता है। प्रभु का गुण-गान करता है और सुनता है । व्रतों को कथाओं के माध्यम से दैवी तथा असुरी वृतियों का परिचय पाकर आत्मा को शुद्ध करता है । भारतीय धर्म-साधना के परिवेश में वर्ष भर में शायद ही ऐसा कोई दिन हो जिस दिन त्यौंहार न होता हों। यहाँ प्रत्येक दिन पर्व है। ये पर्व,हमारे आचार-व्यवहार, रहन-सहन,खान-पान,वेश-भूषा,लोक विश्वास तथा कर्मकाण्डों के परिचायक हैं। इन लोक पर्वों की कथाओं तथा अनुष्ठानों का उद्देश्य है समाज सुधर। व्रतों से तात्पर्य मात्र भूखा रहना नहीं है। इनसे आत्मा की शुधि होती है । मन कलुषित भावनाओं से मुक्त होता है । जीवन में संयम बढ़ता है। आध्यात्मिक शक्ति विकसित होती है । अनेक रोग स्वतः नष्ट हो जाते हैं। हमारे लोक जीवन की अन्यतम विभूति-ये लोक-पर्व अब मिटने लगे हैं ।आज के वैज्ञानिक युग में लोगों की आस्था इनसे उठने लगी है, किन्तु इन लोक-पर्वों में शक्ति नहीं है,ऐसा नहीं खा जा सकता इनका भी वैज्ञानिक महत्व है । हमारे जीवन के ये प्रमुख अंग हैं। भारतीय संस्कृत को स्पष्ट करने के प्रमुख उपादान हैं ये हमारा पर्व ।इनसे हमारे लोक समाज का बिम्ब स्वष्ट होता हैं। इसलिए पर्व त्योहारों मे एक दूसरे की मदद और सभी का ख्याल रखना चाहिए लोक आस्था का पर्व छठ पूजन मे पहले से ही ट्रेन मे मारा मारी एजेंट का अवैध तरीके से टिकट का दाम लेन कोई 3 महीने पहले से भी ट्रेन का टिकट लिया हो कन्फर्म नहीं होता है कोई कोटा से लेता है तत्काल मे टिकट का ना मिलना एक सिस्टम की लापरवाही है छठ पूजन मे जो बिहार और उप्र में लोग बड़ी श्रद्धा से मानते हैं अधिकतर लोग जो महंगा टिकट नहीं ले पाते हैं वो इस शुभ काम में एक दूसरे का हाथ बटाने में असमर्थ हो जाते है जो महानगरो में नौकरी या व्यवसाय करते हैं कोई जर्नी को एक नहीं कई जगह ब्रेक कर किसी तरह थका. महसूस करता है ये उसी से पूछा जाय फ्लाइट का बाहर से घर आने और घर से पुनः बाहर जाने के लिए फ्लाइट का भाड़ा सामान्य से 4 से 6 गुना बढ़ जाता है। छठ पूजा उत्तर भारत में इस साल 12 नवंबर से 15 नवंबर तक चला दीपावली 8 को थी उसके दूसरे दिन ही किसी भी फ्लाइट में बिहार यानी पटना और अन्य जगह का किराया करीब 15 से 25 हजार थी और जो 12-15 हजार तक थी वो डायरेक्ट नहीं एक स्टॉप का था जहाँ आने में करीब 6-10 घंटे लगता था नॉन स्टॉप 18 से 20 हजार था उसके बाद 12 तक लगातार भाड़ा बढ़ते हुए क्रम में ही था और बाद में और बढ़ता गया जो थोड़ा सस्ता था वो नॉन रिफंड वाला था डायरेक्ट फ्लाइट के टिकट का फायदा यह है कि अगर कैंसिल हुआ तो एक तरफ से ही कैंसिल करने का चार्ज लगता है और करीब वो भी 5000 रूपये के आस पास होता है ट्रेन में ये सिलसिला था कि सारे ट्रेन में टिकट रिग्रेट था अतः ट्रेन में एक कन्फर्म टिकट पर 3-4 लोग जाते थे स्लीपर जनरल डिब्बा जैसा हाल था उसमें आने जाना का रास्ता ही ब्लॉक और पानी नदारत लोग ऊपर निचे जहाँ तहाँ सोये होने पर आना जाना मुश्किल था जनरल बोगी में सांस लेना मुश्किल लगते दिखा अब आजादी के इतने दिनों के बाद भी लोग भेड़-बकरी की तरह ठूंस गए हो तो क्या लोग पर्व त्यौहार में बाहर से आएगा और जाएगा,अगर आप किसी तरह पहुँच भी गए तो लौटने में अलग परेशानी होगी लौटने का पटना या सहरसा से डायरेक्ट फ्लाइट में टिकट 28 से 45 हजार इकॉनमी क्लास का टिकट, खासकर 16 तारीख से लेकर 20 तारीख का ट्रेन में तत्काल का 1वेटलिस्ट भी कन्फर्म ना होना बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है और लोग ऐसे कर स्लीपर में बैठते है और ऐसे ही कार्यस्थल पर पहुंचने के लिए ट्रेन में भारी भीड़ देखने को मिलती है ट्रेन में बंदे भारत का नाम तो खुब सुना है लेकिन टिकट कब मिलता है और कहाँ कहाँ है इसपर ध्यान देने की जरुरत है बुलेट ट्रेन केवल कागजों पर दिख रहा है उसके लिए पटरी ट्रैक को बदलना पड़ता है ये वहाँ कहाँ प्रोजेक्ट चल रहा है जहाँ इसकी सही में जरुरत है जब से लगभग 40 सालों से वही पटरी और वही स्टेशन,केवल नाम बदलने और वहाँ रेनोवेशन से क्या होगा

संजय गोस्वामी,मुंबई,महाराष्ट्र

सूख रहे विश्वास

जनहित से जो दूर है,सत्ता उसके पास।
लोकतंत्र के वृक्ष पर,सूख रहे विश्वास॥
प्रश्नों से घबरा उठे,दे धमकी हर बार।
जनता उसके मौन में,लिखती नया विचार॥
राजधर्म को भूलकर,करे अहं का राज।
जनता उसका दे बदल,सत्ता का अंदाज॥
जो जनता को जब दबा, समझे खुद भगवान।
समय उसी के सामने,खोलता सत्य ज्ञान॥
शासन सेवा के लिए,नहीं स्वयं का मान।
जनसेवक उसको कहे,रखे जनों का ध्यान॥
झूठे वादों से भला,कब तक चले दुकान।
सच की आँधी एक दिन,उड़ जाए अभिमान॥
जनमत कोई मौन ना,परिवर्तन की धार।
अवसर पाकर काट दे,सत्ता का अहंकार॥
जनता जब है जागती,बदल दे राज-पाट।
इतिहासों में दर्ज हो,जनशक्ति की बात॥
राजमुकुट की चमक से,मत कर जनता दूर।
जनमत जब है जागता,सत्ता होती चूर।।

डॉ. प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सम्पादक

चलो फॉरवर्ड-फॉरवर्ड खेलते हैं...

तो भइया,बात ऐसी है कि हमारे यहां इस देश में जब भी कोई भयंकर खबर आती है या कोई ऐतिहासिक खोज होती है,तो उसकी जांच के लिए न तो सीबीआई बैठती है और न ही नासा के वैज्ञानिकों को जगाया जाता है। हमारे यहां सच और झूठ का फैसला करने वाली सबसे बड़ी अदालत सुबह साढ़े छह बजे आपके मामा जी के उस फैमिली व्हाट्सएप ग्रूप में खुलती है, जिसका नाम तो हम साथ साथ हैं रखा गया है,लेकिन वहां हर सुबह गुलाब के फूलों के नीचे तर्कबुद्धि की अंतिम यात्रा निकल रही होती है। कमाल की बात देखिए कि जिस देश के नागरिकों को अपने बैंक खाते का पासवर्ड तक याद नहीं रहता,उन्हें यह कंठस्थ होता है कि यूनेस्को ने कल रात ही हमारे मोहल्ले की जलेबी को ब्रह्मांड का सर्वश्रेष्ठ व्यंजन घोषित किया है। यहां किसी खबर की सच्चाई परखने के लिए न कोई किताब खोली जाती है और न ही गूगल का सहारा लिया जाता है,बल्कि एक अंगूठा चलता है और फॉरवर्डेड मेनी टाइम्स का वह दिव्य ठप्पा लग जाता है,जो किसी भी कोरे झूठ को तुरंत वेदों की ऋचा जितना पवित्र बना देता है। यह एक ऐसा अद्भुत और राष्ट्रीय खेल है,जिसे हम फॉरवर्ड फॉरवर्ड कहते हैं,जहां गेंद किसी के भी पाले में जाए, गोल हमेशा समझदारी के ही खिलाफ होता है। ज़रा इस वैज्ञानिक प्रक्रिया की गहराई और हमारे बुजुर्गों के शोध कौशल को समझिए। मान लीजिए,रात के दो बजे किसी बेरोजगार खुराफाती दिमाग ने टाइप किया कि कल शाम चांद पर से नीली किरणें गिरेंगी,इसलिए सब लोग अपने फ्रिज के ऊपर तांबे का लोटा उल्टा करके रख दें,वरना वाई फाई से जहरीला धुआं निकलेगा। अब यह संदेश सुबह सात बजे तक फूफा जी के फोन में अवतरित होता है। फूफा जी,जिन्होंने जीवन में कभी विज्ञान की किताब का कवर तक नहीं देखा, इस संदेश को पढ़ते ही एक गंभीर खगोलशास्त्री बन जाते हैं। वे इसे तुरंत चार अन्य ग्रूपों में भेजते हैं और नीचे अपनी मुहर लगाते हुए लिखते हैं कि बिल्कुल सही बात है,मैंने खुद कल रात छत पर नीलापन महसूस किया था। बस,हो गई पुष्टि और विज्ञान ने घुटने टेक दिए। आइंस्टीन की आत्मा ने भी ऊपर से इस्तीफा भेज दिया। यहां किसी बात के सच होने का सबूत उसके तथ्य नहीं,बल्कि सेंड बटन दबाने की रफ्तार है। अगर कोई खबर पांच बार आगे बढ़ चुकी है,तो वह संभावित सत्य है,और अगर दस बार बढ़ चुकी है,तो वह ऐतिहासिक तथ्य है,और यदि उसके अंत में लिखा है कि इसे दस लोगों को भेजें,वरना शाम तक बुरी खबर मिलेगी, तो वह साक्षात आकाशवाणी है,जिसे झुठलाने की हिम्मत स्वयं विधाता भी नहीं कर सकते।

इस रोमांचक खेल का सबसे नाटकीय मोड़ तब आता है, जब उस ग्रूप में कोई नया नवेला पढ़ा लिखा नौजवान गलती से किसी फैक्ट चेक वेबसाइट का लिंक डाल देता है। अरे भइया,आपने ये क्या अनर्थ कर दिया। आपने तो भरी महफिल में जादूगर के कबूतर की जेब काट ली। जैसे ही वह लड़का लिखता है कि अंकल जी,यह फोटो दो हजार चौदह के अर्जेंटीना की है,हमारे शहर की नहीं,वैसे ही पूरे ग्रुप में ऐसा सन्नाटा पसरता है मानो किसी ने शादी के मंडप में दूल्हे की पुरानी मार्कशीट पढ़कर सुना दी हो। दो मिनट के सन्नाटे के बाद बड़े ताऊ जी का भारी भरकम जवाब आता है कि तुम आजकल के बच्चों को हर चीज में शक करने की बीमारी हो गई है,अरे सामने दिख तो रहा है कि फोटो में बिजली का खंभा टेढ़ा है,क्या अर्जेंटीना में भी ऐसे ही टेढ़े खंभे होते हैं। इस अकाट्य तर्क के आगे हार्वर्ड और ऑक्सफोर्ड के प्रोफेसर भी अपना सिर पीट लें। दरअसल,हमारे यहां प्रमाण की आवश्यकता ही नहीं है,यहां केवल भावनात्मक सत्य चलता है। जिस झूठ को पढ़कर हमारी छाती चौड़ी हो जाए और मन को सुकून मिले,वह झूठ हमारे लिए उस कड़वे सच से कहीं ज्यादा प्यारा है,जो हमें आईना दिखाता है। हम उस दौर में जी रहे हैं,जहां खबर की सच्चाई इस बात से तय होती है कि उसे भेजने वाले ने अपनी डीपी में भगवान की फोटो लगाई है या तिरंगे की। और अंत में,इस पूरे तमाशे का चरम तब आता है,जब यह फॉरवर्ड का चक्रव्यूह सात समंदर पार करके वापस उसी व्यक्ति के फोन में लौट आता है, जिसने इसे सबसे पहले गढ़ा था। वह व्यक्ति अपने ही द्वारा छोड़े गए झूठ को फॉरवर्डेड मेनी टाइम्स के तमगे के साथ देखकर गदगद हो जाता है और अपनी पीठ थपथपाते हुए सोचता है कि वाह, बात तो वाकई में दमदार है, वरना इतनी दूर से घूमकर मेरे पास वापस कैसे आती। यह वह आत्ममुग्धता है,जहां हम खुद ही शिकारी हैं,खुद ही शिकार हैं और खुद ही उस शिकार पर शोक मनाने वाले पत्रकार भी हैं।

**डॉ. सुरेश क



दिनदहाड़े घर में घुसे चोर,20 से 25 लाख के जेवरात-सामान ले उड़े!

एसईसीएल कर्मी ड्यूटी पर...घर में चोरों का धावा...लाखों की चोरी से इलाके में हड़कंप!

कटकोना में चोरों का दुस्साहस! फोरमैन के घर का ताला तोड़कर लाखों के जेवरात पार

पटना थाना पुलिस सहित जांच दल जुटा सुराग तलाशने में,पत्नी के रायपुर से लौटने के बाद चोरी गए सामान का वास्तविक आकलन होगा

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/पटना/कटकोना,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

एसईसीएल की कटकोना 1/2 खदान में पदस्थ फोरमैन राजकुमार सिंह के आवास को चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है,20 नवंबर 2026 की शाम लगभग 5 बजे से 6:30 बजे के बीच हुई इस घटना में चोरों ने घर की अलमारी का ताला तोड़कर कीमती जेवरात और अन्य सामान पार कर दिया,प्रारंभिक तौर पर चोरी गए सामान की कीमत लगभग 20 से 25 लाख रुपये आंकी जा रही है,हालांकि वास्तविक नुकसान का आकलन मकान मालिक की पत्नी के रायपुर से वापस लौटने और घर में रखे सामान का मिलान होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा,घटना की सूचना मिलते ही पटना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी, मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वॉड और साइबर टीम की भी मदद ली जा रही है।

पड़ोसी की सतर्कता से सामने आई घटना

इस चोरी का खुलासा उस समय हुआ,जब राजकुमार सिंह के पड़ोसी अपनी ड्यूटी पूरी कर वापस लौटे,घर के आसपास पहुंचने पर उनकी नजर राजकुमार सिंह के आवास पर पड़ी,जहां दरवाजा खुला हुआ दिखाई दिया,शुरुआत में उन्हें लगा कि शायद घर में बंदर घुस गया होगा और इसी कारण दरवाजा खुला रह गया है,इसी आशंका के चलते उन्होंने राजकुमार सिंह को फोन कर जानकारी देने का प्रयास किया,लेकिन फोन पर संपर्क नहीं हो सका,इसके बाद पड़ोसी ने घर के पास पहुंचकर आवाज लगाई,अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्हें संदेह हुआ,स्थिति सामान्य नहीं लगने पर वे घर के अंदर पहुंचे तो वहां अलमारी का ताला टूटा हुआ था और जेवरात के डिब्बे इधर-उधर बिखरे पड़े थे,घर की स्थिति देखकर उन्हें चोरी होने का अंदेशा हुआ, इसके बाद उन्होंने बिना देर किए खदान के बाहर सूचना पहुंचाई।

सूने मकान को देखकर चोरों ने बनाया निशाना-जानकारी के अनुसार राजकुमार सिंह एसईसीएल की कटकोना 1/2 खदान में फोरमैन के पद पर कार्यरत हैं, 20 नवंबर को वे रोज की तरह अपनी ड्यूटी पर खदान गए हुए थे, दूसरी ओर उनकी पत्नी भी घर पर मौजूद नहीं थीं और किसी काम से रायपुर गई हुई थीं,इस तरह घटना के समय आवास सूना था,आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने इसी स्थिति का फायदा उठाकर घर में प्रवेश किया और चोरी की वारदात को अंजाम दिया,चोरों ने घर के अंदर पहुंचकर अलमारी को निशाना बनाया, अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे कीमती जेवरात और अन्य सामान निकाल लिया गया,वारदात के बाद जेवरात के डिब्बे घर में बिखरे मिले,घर की स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोरों ने सामान की तलाश में अलमारी को खंगाला और कीमती वस्तुएं लेकर फरार हो गए।

खदान प्रबंधन के माध्यम से मकान मालिक तक पहुंचा संदेश-पड़ोसी द्वारा दी गई सूचना खदान प्रबंधन तक पहुंची,प्रबंधन ने तत्काल राजकुमार सिंह को इसकी जानकारी भेजी,संदेश मिलने के बाद राजकुमार सिंह ड्यूटी से बाहर आए और अपने आवास में चोरी होने की जानकारी प्राप्त की,घर पहुंचने पर उन्हें अलमारी और सामान की स्थिति का पता चला, इस घटना ने परिवार को सकते में डाल दिया।

डॉग स्क्वॉड और साइबर टीम को लगाया गया,पटना पुलिस कर रही जांच

घटना की सूचना मिलने के बाद पटना थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की, चोरी की गंभीरता को देखते हुए जांच में डॉग स्क्वॉड और साइबर टीम को भी शामिल किया गया है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर चोरों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है,जांच के दौरान घटनास्थल से मिलने वाले संभावित साक्ष्य,घर में प्रवेश और बाहर निकलने के रास्ते तथा आसपास की गतिविधियां महत्वपूर्ण हो सकती हैं,पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वारदात को अंजाम देने वाले लोग कौन थे और वे किस दिशा में फरार हुए। साइबर टीम की मदद से उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों की जांच भी की जा रही है, हालांकि अभी तक चोरों की पहचान अथवा उनकी गिरफ्तारी को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

20 से 25 लाख रुपये की चोरी का अनुमान, अंतिम आकलन बाकी-घटनास्थल पर जेवरात के डिब्बे बिखरे मिलने और घर में रखे कीमती सामान की स्थिति को देखते हुए चोरी की कीमत लगभग 20 से 25 लाख रुपये होने का अनुमान लगाया जा रहा है,बताया जा रहा है कि चोरी में कीमती आभूषण भी शामिल हैं,हालांकि अभी तक चोरी गए प्रत्येक सामान का पूरा विवरण सामने नहीं आया है,राजकुमार सिंह की पत्नी घटना के समय रायपुर में थीं और जानकारी के अनुसार अभी उनका कटकोना लौटना बाकी है,उनके वापस आने के बाद घर में रखे जेवरात,नकदी और अन्य कीमती सामान का मिलान किया जाएगा,इसके बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि चोर कितने मूल्य का सामान लेकर गए हैं। फिलहाल 20 से 25 लाख रुपये का आंकड़ा प्रारंभिक अनुमान के तौर पर सामने आया है,जिसकी पुष्टि विस्तृत सूची तैयार होने के बाद ही हो सकेगी।

एसईसीएल कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था पर भी उठे सवाल-कटकोना एसईसीएल कॉलोनी में हुई इस बड़ी चोरी ने आवासीय क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं,खदान में कार्यरत कर्मचारी और उनके परिवार इन आवासीय परिसरों में रहते हैं,ऐसे में कर्मचारियों के ड्यूटी पर जाने और परिवार के सदस्यों के बाहर रहने की स्थिति में आवासों की सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय बन जाता है,इस घटना के बाद यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या कॉलोनी में नियमित निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त है? क्या आवासीय क्षेत्र में बाहरी व्यक्तियों की आवाजाही पर नजर रखी जाती है? और क्या ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी? इन सवालों का जवाब जांच के साथ-साथ प्रबंधन की ओर से उठाए जाने वाले कदमों से भी सामने आएगा।

पुलिस के सामने चुनौती,जल्द खुलासे की उम्मीद-कटकोना क्षेत्र में लाखों रुपये की इस चोरी को बड़ी वारदात के रूप में देखा जा रहा है,एक ओर परिवार चोरी गए सामान की वास्तविक सूची तैयार होने का इंतजार कर रहा है, वहीं दूसरी ओर पुलिस के सामने चोरों की पहचान कर चोरी का खुलासा करने की चुनौती है, डॉग स्क्वॉड, साइबर टीम और पटना पुलिस की संयुक्त जांच से घटना से जुड़े सुराग मिलने की उम्मीद जताई जा रही है, अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि चोरों ने सूने आवास की जानकारी पहले से जुटाई थी या उन्हें अचानक घर खाली होने का पता चला? वारदात में कितने लोग शामिल थे और चोरी के बाद वे किस रास्ते से फरार हुए? इन सभी पहलुओं की जांच के बाद ही घटना की पूरी तस्वीर स्पष्ट होगी, फिलहाल कटकोना एसईसीएल कॉलोनी में हुई इस चोरी ने कर्मचारियों और स्थानीय लोगों के बीच चिंता बढ़ा दी है।

गांजा बेचने का कारोबार कर रहे पति-पत्नी गिरफ्तार,4.640 किलो गांजा जब्त

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।



शहर में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गांधीनगर पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने गांजा बेचने के आरोप में पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 4.640 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख 32 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 20 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बनारस रोड चठिरमा निवासी रिपन बाला अपनी पत्नी के साथ मिलकर घर के पीछे बाड़ी में गांजा छिपाकर रखता है और कागज व प्लास्टिक की छोटी पुड़िया बनाकर 50 और 100 रुपये में बिक्री करता है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दबिश दी। मौके से रिपन बाला (53 वर्ष), पिता स्व. महानंद बाला और उसकी पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। तलाशी के दौरान घर के पीछे बाड़ी में छिपाकर रखे सफेद प्लास्टिक के झोले से 4.640 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा जब्त कर दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना गांधीनगर में अपराध क्रमांक 750/2026, धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

नशे में वाहन चलाना पड़ा महंगा,दो बाइक चालकों पर 20 हजार रुपये का जुर्माना

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

शराब के नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। जांच के दौरान शराब के नशे में मोटरसाइकिल चलाते पकड़े गए दो चालकों को न्यायालय ने 10-10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। दोनों मामलों में कुल 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यातायात शाखा की टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल क्रमांक CG 15 DY 9423 के चालक अनूप खाखा (26 वर्ष),निवासी दरिमा रोड,अंबिकापुर को रोककर जांच की गई। ब्रेथ एनालाइजर से परीक्षण करने पर उसके शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। इसी तरह मोटरसाइकिल क्रमांक CG 15 EB 5443 के चालक अंश राजवाड़े (23 वर्ष), निवासी अड़ची को भी जांच के दौरान शराब के नशे में वाहन चलाते पाया गया। दोनों चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने दोनों को 10-10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में यातायात शाखा प्रभारी उप निरीक्षक विजय केवर्त सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी सक्रिय रहे।

3100 रुपए में धान खरीदी और 13,839 रुपए प्रति एकड़ सहायता का दावा,भाजपा ने गिनाए किसान हितैषी फैसले

विधायक रामकुमार टोप्पो की प्रेसवार्ता में सरकार की योजनाओं का बखान, 27.50 लाख किसानों को लाभ मिलने का दावा...धान खरीदी के लक्ष्य से लेकर भुगतान तक व्यवस्था को बताया पारदर्शी

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।



धान का समर्थन मूल्य, प्रति एकड़ खरीदी की सीमा और कृषक उन्नति योजना की राशि... छत्तीसगढ़ में किसानों के लिए ये मुद्दे हर खरीफ सीजन में चर्चा के केंद्र में रहते हैं। अब प्रदेश सरकार के नए फैसलों को लेकर भाजपा ने किसानों के बीच अपनी उपलब्धियां पहुंचाने की कवायद तेज कर दी है। शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो ने सरकार के किसान हितैषी निर्णयों का सिलसिलेवार ब्यौरा रखा। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की मौजूदगी में हुई इस प्रेसवार्ता में 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदी से लेकर कृषक उन्नति योजना के तहत 13,839 रुपए प्रति एकड़ आदान सहायता तक को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया गया। विधायक रामकुमार टोप्पो ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदा जाएगा। सरकार ने इस वर्ष 160 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया है। हालांकि, इस बार कृषक उन्नति योजना में किए गए बदलाव को खास तौर पर रेखांकित किया गया। अब धान की फसल पर अंतर की गणना प्रति क्विंटल के बजाय प्रति एकड़ के आधार पर आदान सहायता के रूप में की जाएगी।

कम धान बेचने पर भी पूरी सहायता का दावा : प्रेसवार्ता में बताया गया कि पंजीकृत रकबे के अनुसार निर्धारित सीमा 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम धान बेचने वाले किसान को भी उसके पूरे पंजीकृत रकबे के आधार पर 13,839 रुपए प्रति एकड़ की सहायता मिलेगी। सरकार का दावा है कि इससे प्रदेश के 27.50 लाख से अधिक किसानों को लाभ होगा। इस व्यवस्था को छोटे किसानों के लिए राहतकारी बताया गया। हालांकि, किसानों के लिए इस बदलाव का वास्तविक लाभ उनकी पात्रता, पंजीकृत रकबे और भुगतान की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

15 नवंबर से खरीदी, 72 घंटे में भुगतान का भरोसा : खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक धान खरीदी की अवधि निर्धारित की गई है। विधायक ने बताया कि धान बेचने के 72 घंटे के भीतर राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजने की व्यवस्था की गई है। एग्रीस्टैक आईडी से पंजीकृत किसानों को दोबारा पंजीयन कराने और समिति में अलग से ऋण पुस्तिका ले जाने की आवश्यकता नहीं होगी। डिजिटल क्रॉप सर्वे से रकबे का ऑनलाइन निर्धारण और बायोमेट्रिक व्यवस्था से वास्तविक किसानों की पहचान सुनिश्चित करने का दावा भी किया गया।

360 नए केंद्रों से कम होगी किसानों की परेशानी? धान खरीदी के लिए प्रदेश में 360 नए उपार्जन केंद्र शुरू किए जा रहे हैं। इसके बाद प्रदेश में खरीदी केंद्रों की संख्या बढ़कर 3100 हो जाएगी। सरकार की मंशा किसानों को नजदीक में खरीदी सुविधा उपलब्ध कराने और केंद्रों में भीड़ कम करने की है। हालांकि,सरगुजा जैसे आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में किसानों की वास्तविक परेशानी केवल खरीदी केंद्रों की संख्या तक सीमित नहीं है। परिवहन, टोकन, समय पर तौल,बारदाने की उपलब्धता और भुगतान में देरी जैसे सवाल भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। इन व्यवस्थाओं का जमीनी क्रियान्वयन ही नए केंद्रों की उपयोगिता तय करेगा।

तीन साल में 35,904 करोड़ देने का हिसाब पेश : भाजपा ने कृषक उन्नति योजना के तहत पिछले तीन वर्षों में किसानों को 35,904.90 करोड़ रुपए की अंतर राशि दिए जाने का आंकड़ा भी सामने रखा। इसके अनुसार वर्ष 2023-24 में 13,289 करोड़, 2024-25 में 11,976 करोड़ और 2025-26 में 10,639 करोड़ रुपए किसानों के खातों में हस्तांतरित किए गए। धान के बजाय दूसरी फसल लेने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए सहायता राशि 11 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपए प्रति एकड़ करने की जानकारी भी दी गई। इस योजना में 52 हजार से अधिक किसानों द्वारा 28 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र के लिए पंजीयन कराने की बात कही गई। वहीं दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत पात्र भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपए दिए जाने की जानकारी दी गई।

किसान हितैषी फैसलों का प्रचार,अब नजर जमीनी नतीजों पर

विधायक रामकुमार टोप्पो ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करना और कृषि में विविधीकरण को बढ़ावा देना है। प्रेसवार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया,जिला महामंत्री विनोद हर्ष, किसान मोर्चा जिला प्रभारी मुन्नालाल चौधरी,जिला मीडिया प्रभारी रूपेश दुबे, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिल निराला उरांव,मोर्चा महामंत्री अनिल तिवारी, जनमेजय मिश्रा, रूपेश गुप्ता एवं कुणाल सिंह उपस्थित रहे। अब असली कसौटी किसानों का अनुभव होगा। 3100 रुपए की दर, 72 घंटे में भुगतान और प्रति एकड़ सहायता के दावों के बीच किसानों की सबसे बड़ी अपेक्षा यही है कि खरीदी केंद्रों पर उन्हें अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें,उपज बेचने में परेशानी न हो और घोषित लाभ समय पर खाते में पहुंचे। योजनाओं के आंकड़े प्रेसवार्ता में गिनाए जा सकते हैं,लेकिन सरकार के किसान हितैषी होने का वास्तविक प्रमाण खेत से खरीदी केंद्र और फिर किसान के बैंक खाते तक दिखाई देना चाहिए।

विश्व मात्स्यिकी दिवस पर संभाग स्तरीय कार्यक्रम आयोजित,400 मत्स्य कृषकों ने लिया हिस्सा

झींगा एवं तिलापिया पालन सहित विभिन्न योजनाओं की दी गई जानकारी,मत्स्य कृषकों को जाल,आइस बॉक्स एवं प्रमाण पत्र का किया गया वितरण

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

विश्व मात्स्यिकी दिवस 2026 के अवसर पर आज ऑडिटोरियम,पी.जी. कॉलेज अंबिकापुर, में संभाग स्तरीय एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संभाग के सभी जिलों से लगभग 400 मत्स्य कृषकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सरगुजा के उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव उपस्थित रहे। इसके साथ ही जिला पंचायत की कृषि स्थायी समिति की सभापति श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनिमा केरकेट्टा एवं श्रीमती नानमणि पैंकरा सहित मछुआ समाज के प्रतिनिधि, संभाग के विभिन्न जिलों के अधिकारी एवं मत्स्य निरीक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मत्स्य कृषकों को मछली पालन की आधुनिक तकनीकों एवं स्वरोजगार की संभावनाओं से अवगत कराया गया।

इस दौरान झींगा पालन, तिलापिया पालन, एनएफडीपी पोर्टल में मत्स्य कृषकों का पंजीयन तथा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने मत्स्य कृषकों को योजनाओं का लाभ लेने, आधुनिक तकनीकों को अपनाने तथा मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।



CMYK

25 करोड़ की लागत से प्रतापपुर-अंबिकापुर मुख्य मार्ग का होगा कायाकल्प,विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने किया भूमि पूजन

कोयला खदान के सामने 1.6 किलोमीटर सड़क बनेगी कंक्रीट की,शेष हिस्से में होगा डामरीकरण,चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण से आवागमन में मिलेगी राहत





-संवाददाता-
प्रतापपुर/सूरजपुर 21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

क्षेत्रवासियों की लंबे समय से प्रतीक्षित प्रतापपुर-अंबिकापुर मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की शुरुआत शनिवार 21 नवंबर को अटल चौक बस स्टैंड, प्रतापपुर में भूमि पूजन के साथ हुई, लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित इस सड़क परियोजना का भूमि पूजन प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ, कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्र के हजारों लोगों के साथ ही इस मार्ग से प्रतिदिन गुजरने वाले छोटे-बड़े वाहनों को आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद है। सड़क की बदहाल स्थिति लंबे समय से क्षेत्रवासियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई थी,विशेषकर कोयला खदान के सामने सड़क की जर्जर हालत के चलते वाहन चालकों और राहगीरों को धूल, गड्ढों तथा खराब सतह के बीच आवागमन करना पड़ रहा था, इस समस्या को लेकर क्षेत्रवासियों की ओर से लगातार सड़क सुधार की मांग उठाई जा रही थी, विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री के समक्ष सड़क निर्माण, चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण की मांग रखी थी, मुख्यमंत्री ने प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण आवश्यकता को देखते हुए परियोजना को स्वीकृति प्रदान की, बरसात के मौसम के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया था, अब भूमि पूजन के साथ परियोजना की औपचारिक शुरुआत की गई है।

कोयला खदान के सामने बनेगी कंक्रीट सड़क-

परियोजना के तहत प्रतापपुर-अंबिकापुर मुख्य मार्ग का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण किया जाएगा, कोयला खदान के सामने लगभग 1.6 किलोमीटर हिस्से में कंक्रीट सड़क का निर्माण प्रस्तावित है, जबकि मार्ग के अन्य हिस्सों में डामरीकरण किया जाएगा, खदान क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही को देखते हुए कंक्रीट सड़क का निर्माण महत्वपूर्ण माना जा रहा है, इससे सड़क की मजबूती बढ़ने और बार-बार सड़क खराब होने की समस्या कम होने की उम्मीद है।

विकास कार्यों को लेकर विधायक ने विपक्ष पर साधा निशाना- भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का यह कार्य क्षेत्र की जनता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, सड़क की खराब स्थिति के कारण आम नागरिकों और वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था,विशेषकर कोयला खदान के सामने की स्थिति चिंताजनक थी, जनता की इस समस्या को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा गया, जिसके बाद सरकार ने कार्य को स्वीकृति दी, विधायक ने कहा कि प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की गति लगातार आगे बढ़ रही है और आने वाले समय में भी यह सिलसिला जारी रहेगा,अपने तीन वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए उन्होंने क्षेत्र में सैकड़ों करोड़ रुपये के विकास कार्य कराए जाने की बात कही, इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और विपक्ष पर भी निशाना साधा,विधायक ने आरोप लगाया कि विकास के मुद्दों पर जवाब देने के बजाय उनके खिलाफ तरह-तरह के आरोप लगाए जाते हैं तथा जातिगत मामलों को उठाकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया जाता है, उन्होंने कहा...'आप लोगों ने मुझे चुनकर विधायक बनाया है, मैं किसी फर्जी तरीके से विधायक नहीं बनी हूं,वर्ष 2028 में भी मैं आप लोगों के बीच वोट मांगने आऊंगी। जनता ने जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाऊंगी, विधायक ने भरोसा दिलाया कि प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए प्रयास लगातार जारी रहेंगे, उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास की गति धीमी नहीं होने दी जाएगी।

जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की रही उपस्थिति- भूमि पूजन कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश तायल, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुखमनिया सिंह आयाम,नगर पंचायत अध्यक्ष मानती योगेंद्र सिंह,नगर पंचायत उपाध्यक्ष अजीत शरण सिंह सहित अक्षय तिवारी, प्रेमपाल अग्रवाल, अवधेश पांडे, विजेंद्र कश्यप,अरविंद ायसवाल,अशोक जायसवाल, विक्रम सिंह, विक्रम नामदेव, धर्मेंद्र श्रीवास्तव और बुधराम उपस्थित रहे। इनके अलावा नगर पंचायत के पार्षद एवं एल्डरमैन,भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता,जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी कार्यक्रम में शामिल हुए,भूमि पूजन के बाद क्षेत्रवासियों में सड़क निर्माण कार्य शुरू होने को लेकर उत्साह दिखाई दिया, अब लोगों की निगाहें निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समय-सीमा पर रहेंगी, परियोजना पूरी होने के बाद प्रतापपुर से अंबिकापुर के बीच आवागमन अधिक सुगम होने की उम्मीद है।

महामाया मंदिर तक 12 करोड़ से बनेगा कॉरिडोर,29 मीटर होगी चौड़ाई

महामाया गेट से मंदिर तक सड़क की नापजोख शुरू,आगे हाथीपखना तक 16 मीटर चौड़ी सड़क बनाने की भी तैयारी



-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

मां महामाया मंदिर को भव्य स्वरूप देने और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कॉरिडोर निर्माण की तैयारी शुरू हो गई है। महामाया प्रवेश द्वार से मंदिर तक करीब 12 करोड़ रुपए की लागत से कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसकी चौड़ाई 29 मीटर प्रस्तावित है। शनिवार को नगर निगम की तकनीकी और राजस्व टीम ने स्थानीय पार्षद मो. बाबर के साथ प्रस्तावित मार्ग की नापजोख की। नगर निगम के कार्यपालन अभियंता के अनुसार, महामाया प्रवेश द्वार से मंदिर तक 29 मीटर चौड़े कॉरिडोर के लिए 12 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत है। इसके आगे महामाया मंदिर से हाथीपखना तक 16 मीटर चौड़ी सड़क बनाने की भी तैयारी है। कॉरिडोर निर्माण से मंदिर तक पहुंचने का मार्ग व्यवस्थित होगा। नवरात्र सहित अन्य प्रमुख पर्वों पर दर्शन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। साथ ही मंदिर क्षेत्र के विकास और धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

चार जिलों में निर्माण कार्यों की पड़ताल,लोक निर्माण विभाग के सचिव ने मौके पर दिए सख्त निर्देश



-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने लगातार दो दिनों तक चार जिलों में सड़कों, पुल-पुलियों, कॉलेजों, अस्पताल और अन्य निर्माण एवं संधारण कार्यों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर-रामानुजगंज जिलों में विभिन्न निर्माण स्थलों पर पहुंचकर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता परखी तथा अधिकारियों और ठेकेदारों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। श्री बंसल ने निर्माण कार्यों की धीमी रफ्तार और सड़क संधारण में लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित ठेकेदारों को नोटिस जारी करने, बैंक गारंटी राजसात करने तथा सुधार नहीं होने पर ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी,गुणवत्ता मानकों के पालन और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। लोक निर्माण के सचिव श्री बंसल ने प्रमुख अभियंता श्री व्ही.के. भतपहरी, अंबिकापुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री के.पी. संत,अंबिकापुर मंडल के अधीक्षण अभियंता श्री आर.एस. तोमर तथा संबंधित संभागों के कार्यपालन अभियंताओं व अनुविभागीय अधिकारियों एवं ठेकेदारों के साथ जशपुर,मनोरा,सन्ना,बगीचा,कांसाबेल,बागबहार,कोतबा,लुड़ेग, सीतापुर,पत्थलगांव,मैनपाट,दरिमा,राजपुर,प्रतापपुर,भैयाथान और सूरजपुर में सड़कों की स्थिति तथा विभिन्न निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी और गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने सड़क संधारण में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

दरिमा-मैनपाट और बरियो-धौरपुर मार्ग के ठेकेदारों पर कार्रवाई के निर्देश : सरगुजा जिले में दरिमा-मैनपाट और बरियो-धौरपुर मार्ग के निरीक्षण के दौरान संधारण अवधि में संबंधित ठेकेदारों द्वारा समुचित रखरखाव नहीं किए जाने की स्थिति सामने आई। इस पर सचिव श्री बंसल ने दोनों मार्गों के ठेकेदारों की बैंक गारंटी राजसात करने के संबंध में नियमानुसार नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों द्वारा संधारण कार्य नहीं किए जाने पर उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाए। उन्होंने दरिमा-मैनपाट मार्ग पर रिटेनिंग वॉल, पुल-पुलियों और गार्डवॉल में पेंटिंग कराने के भी निर्देश दिए। सोनतराई-मैनपाट मार्ग के निरीक्षण के दौरान श्री बंसल ने कमलेश्वरपुर थाना चौक से कैंप नंबर-2 मंदिर तक 1.20 किलोमीटर लंबाई में फोरलेन सड़क निर्माण के लिए संशोधित प्राक्कलन तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने सड़क संधारण कार्यों की नियमित निगरानी और आवश्यक मरम्मत कार्य समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रेस्क्यू के बाद भी कबरा का खौफ बरकरार,झुंड से बिछड़कर फिर आबादी के करीब पहुंचा

19 लोगों की जान लेने वाला हाथी उदयपुर जनपद कार्यालय के सामने जंगल में कर रहा विचरण,हाईवे से 800 मीटर दूर मौजूदगी के बाद उदयपुर-सलका मार्ग बंद





-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

19 लोगों की जान लेने वाले कबरा हाथी का रेस्क्यू करने के बाद भी क्षेत्र में खतरा टला नहीं है। ट्रेंकुलाइज कर कॉलर आईडी लगाने के बाद जंगल में छोड़ा गया हाथी अब अपने झुंड से अलग होकर फिर आबादी के करीब पहुंच गया है। उदयपुर जनपद कार्यालय के सामने स्थित जंगल में उसकी मौजूदगी मिलने के बाद वन विभाग की चिंता बढ़ गई है। एहतियातन उदयपुर-सलका मार्ग पर आवाजाही बंद करा दी गई है। कबरा हाथी जिस जंगल में विचरण कर रहा है, वह अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे से महज 800 मीटर दूर है। ऐसे में हाथी के अचानक सडक़ या आबादी की ओर आने से हादसे की आशंका बनी हुई है। वन विभाग कॉलर आईडी के जरिए उसकी लोकेशन ट्रैक करने के साथ ड्रोन कैमरों से भी निगरानी कर रहा है। पिछले छह महीने में 19 लोगों की जान ले चुके कबरा हाथी को नियंत्रित करने के लिए वन विभाग ने विशेष रेस्क्यू अभियान चलाया था। उदयपुर वन परिक्षेत्र में उसे ट्रेंकुलाइज करने के लिए टीम को लगातार छह दिनों तक मशक्कत करनी पड़ी। तीन-चार दिन पहले उसे बेहोश कर गले में कॉलर आईडी लगाई गई थी। रेस्क्यू के दौरान उसे दो दिनों तक जंजीरों से बांधकर रखा गया। इस बीच उसके साथ विचरण करने वाला 17 हाथियों का दल उससे अलग होकर आगे निकल गया। बाद में कबरा को जंजीरों से मुक्त कर जंगल में छोड़ दिया गया।

झुंड से अलग होने के बाद व्यवहार में बदलाव : डीएफओ ललित पटेल ने बताया कि हाथी को ट्रेंकुलाइज कर जंगल में छोड़ दिया गया है। ड्रोन के माध्यम से उसकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। पिछले कुछ दिनों से उसके व्यवहार में परिवर्तन भी देखा जा रहा है। उसके साथ रहने वाला 17 हाथियों का दल उससे दूर चला गया है। ऐसे में कबरा फिलहाल अकेले विचरण कर रहा है।

गांवों में मुनादी, जंगल की ओर जाने से रोका : हाथी की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग ने आसपास के गांवों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया है। ग्रामीणों को जंगल और हाथी की मौजूदगी वाले क्षेत्रों में नहीं जाने की सलाह दी गई है। विभाग की टीम लगातार उसकी लोकेशन पर नजर रख रही है, ताकि उसे आबादी से दूर रखा जा सके।

पत्नी की मौत से एक दिन पहले पति ने लगाई थी फांसी,इलाज के दौरान पत्नी ने भी तोड़ा दम

शराब पीने और काम नहीं करने को लेकर दंपती के बीच हुआ था विवाद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम लिचिरमा में पारिवारिक विवाद के बाद दंपती की अलग-अलग दिनों में मौत हो गई। पहले पत्नी ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। इसके अगले दिन पति ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं, अस्पतालों में उपचार के बाद भी पत्नी की जान नहीं बच सकी। उसकी भी मौत हो गई। एक के बाद एक हुई इन घटनाओं से परिवार में मातम पसरा है। दंपती के तीन बच्चे अब माता-पिता के साये से वंचित हो गए हैं। पुलिस ने पुत्र मनीष पैकरा के बयान के आधार पर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ग्राम लिचिरमा निवासी सुखमनी ने 16 नवंबर की रात करीब 8 बजे घर में



जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। तबीयत बिगडऩे पर परिजन उसे नजदीकी निजी अस्पताल ले गए। वहां से चिकित्सक ने देर रात करीब 3 बजे अंबिकापुर रेफर कर दिया। वाहन की व्यवस्था नहीं होने के कारण परिजन उसे घर ले आए। अगले दिन वाहन मिलने पर उसे सीतापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। करीब दो घंटे के उपचार के बाद तबीयत में कुछ सुधार होने पर चिकित्सकों ने अंबिकापुर ले जाने की सलाह दी।



इसके बाद परिजन सुखमनी को एसआरएस अस्पताल अंबिकापुर ले गए,जहां दो दिनों तक उपचार चला। चिकित्सकों ने लंबे उपचार की जरूरत बताई,लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिजन 18 नवंबर को उसे मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल ले गए। वहां आईसीयू में बेड खाली नहीं होने पर उसे रायपुर ले जाने की सलाह दी गई। रुपये की व्यवस्था नहीं होने के कारण परिजन उसे वापस घर ले आए। 20 नवंबर की देर रात करीब एक बजे रुपये की व्यवस्था कर वे उसे होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे। इमरजेंसी में जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पत्नी के अस्पताल में भर्ती होने के अगले दिन पति ने लगाई फांसी : मृतका के पुत्र मनीष पैकरा ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले उसके माता-पिता के बीच कहासुनी हुई थी। विवाद की वजह पिता का शराब पीना और काम नहीं करना था। 16 नवंबर की रात मां सुखमनी घर पर थी। इसी दौरान विवाद के बाद उसने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। मां के अस्पताल में भर्ती होने के अगले दिन 17 नवंबर को पिता साखीराम ने भी घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

मां को कड़ा मारकर किया घायल तदुपरांत टांगी से मामा की हत्या

धान की रखवाली और घर नहीं लौटने की बात पर हुआ था विवाद, बीच-बचाव के बावजूद आरोपी ने सिर पर किए कई वार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रवई बीजापारा में मां के साथ मारपीट से नाराज भांजे ने अपने मामा की टांगी से वार कर हत्या कर दी। घटना 18 नवंबर की रात करीब 12 बजे की है। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद आरोपी छन्दना कोरवा उर्फ छन्ना के खिलाफ धारा 103(1) बीएनएस के तहत हत्या का अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, मृतक जम्हीर कोरवा (40) निवासी लाइन डुमरडीह का अपनी बहन बयालो कोरवा से चउरपानी लाइनपारा स्थित घर वापस नहीं लौटने और धान की रखवाली को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान बयालो और वहां मौजूद लोगों ने बताया कि आधार कार्ड और राशन कार्ड का केवाईसी नहीं होने के कारण वे रुक गए थे और अगले दिन लौटने वाले थे। इसके बावजूद जम्हीर ने उनकी बात पर विश्वास नहीं किया और अपने दाहिने हाथ में पहने कड़े से बयालो की बाईं आंख के ऊपर वार कर दिया। इससे उसे गंभीर चोट आई और खून निकलने लगा। मां को घायल देखकर आरोपी छन्दना उर्फ छन्ना गुस्से में आ गया। उसने मंगल कोरवा के घर में रखी टांगी उठाई और मामा जम्हीर के सिर पर वार करने लगा। मौके पर मौजूद बयालो, बुधनी, मूलि, लालसाय और फुलबसिया ने बीच-बचाव कर उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोपी लगातार वार करता रहा। इससे जम्हीर की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी टांगी घटनास्थल पर छोडक़र फरार हो गया। मंगल कोरवा ने पुलिस को बताया कि 18 नवंबर की शाम करीब 6 बजे वह धान की रखवाली के लिए पहाड़ किनारे खेत में गया था और रात वहीं रुक गया था। 19 नवंबर की सुबह करीब 6.30 बजे घर पहुंचा तो पत्नी बुधनी ने बताया कि रात 8-9 बजे जम्हीर, छन्ना और बयालो घर आए थे।

विशेष लोक अदालत में चेक अनादरण के 10 प्रकरणों का निराकरण

अंबिकापुर और सीतापुर न्यायालय में पक्षकारों ने आपसी सहमति से किया राजीनामा,दो प्रकरणों का अपीलीय स्तर पर हुआ निपटारा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण,नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देश पर शनिवार को धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम (चेक अनादरण) से जुड़े मामलों के निराकरण के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला



एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष शक्ति सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में आयोजित इस लोक अदालत में सरगुजा जिले के कुल 10 प्रकरणों का पक्षकारों की आपसी सहमति से निराकरण किया गया। इनमें दो प्रकरणों का निपटारा अपीलीय स्तर पर हुआ। अंबिकापुर न्यायालय की खंडपीठ क्रमांक-2 में तृतीय व्यवहार न्यायाधीश गिरिवर सिंह राजपूत के समक्ष एक प्रकरण रखा गया। इसमें परिवादी ने अनावेदक को 80 हजार रुपए उधार दिए थे। राशि लौटाने के लिए अनावेदक ने 25-25 हजार रुपए के दो चेक दिए, लेकिन खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण दोनों चेक अनादरित हो गए थे। इसके बाद परिवादी ने न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया था। दोनों पक्षों के बीच पहले घनिष्ठ संबंध थे,लेकिन लेनदेन के विवाद से रिश्तों में मनमुटाव आ गया था। विशेष लोक अदालत में दोनों पक्षों को आपसी सहमति से प्रकरण समाप्त करने के फायदे बताए गए। इसके बाद अनावेदक ने परिवादी को 50 हजार रुपए दिए और दोनों ने राजीनामे के आधार पर प्रकरण समाप्त करने पर सहमति जताई। सीतापुर व्यवहार न्यायालय में भी चेक अनादरण का एक प्रकरण आपसी सहमति से निराकृत हुआ। इसमें परिवादी ने अनावेदक को सामान बेचा था। बकाया भुगतान के लिए अनावेदक ने भारतीय स्टेट बैंक का 1.53 लाख रुपए का चेक दिया था,जो खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण अनादरित हो गया था। इसके बाद परिवादी ने न्यायालय में परिवाद दायर किया था।



मनेंद्रगढ़ में भूपेश बघेल का शक्ति प्रदर्शन! भव्य स्वागत, बाबा श्याम के दरबार में मत्था और सियासी सवालों पर बेबाक जवाब

मनेंद्रगढ़ पहुंचते ही छाए भूपेश बघेल, 'लव यू मनेंद्रगढ़' से जताया अपनापन...सियासी बयानों ने बढ़ाई हलचल

आस्था, आत्मीयता और सियासत का संगम बना भूपेश बघेल का मनेंद्रगढ़ दौरा, 'लव यू मनेंद्रगढ़' की पोस्ट ने खींचा ध्यान

भव्य स्वागत से अभिभूत भूपेश बघेल बोले- 'लव यू मनेंद्रगढ़', देवेंद्र यादव और पूर्व ओएसडी के सवालों पर भी दिया जवाब

जिला गठन की यादों के बीच मनेंद्रगढ़ पहुंचे भूपेश बघेल,कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह; भाजपा सरकार पर साधा निशाना

खाटू श्याम बाबा को 56 भोग अर्पित कर मांगी प्रदेश की खुशहाली,जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं से किया संवाद

देवेंद्र यादव से संबंधों पर बोले...'किससे खराब है भाई मेरा',पूर्व ओएसडी की पोस्ट को बताया निजी विचार

एमसीबी जिला गठन से जुड़े भावनात्मक रिश्ते का किया उल्लेख,सोशल मीडिया पर 'लव यू मनेंद्रगढ़' संदेश की चर्चा।

-रवि सिंह-

मनेंद्रगढ़,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव भूपेश बघेल का शुक्रवार को मनेंद्रगढ़ प्रवास धार्मिक आस्था,राजनीतिक संवाद,संगठनात्मक सक्रियता और स्थानीय आत्मीयता के कई रंगों के साथ चर्चा में रहा,उनके आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और शहरवासियों ने जिस उत्साह और गर्मजोशी के साथ स्वागत किया,उसने पूरे दौरे को खास बना दिया। स्वागत के दौरान उमड़े जनसमूह और कार्यकर्ताओं के उत्साह से अभिभूत भूपेश बघेल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर स्वागत का वीडियो साझा करते हुए लिखा- 'लव यू मनेंद्रगढ़'।

उनके इस छोटे से संदेश ने स्थानीय राजनीतिक और सामाजिक हलकों में विशेष चर्चा पैदा कर दी, सोशल मीडिया पर समर्थकों ने भी 'लव यू टू काका' लिखकर अपनी भावनाएं जाहिर कीं, एक ओर बाबा श्याम के दरबार में पूजा-अर्चना और 56 भोग अर्पित करने का धार्मिक प्रसंग चर्चा में रहा,तो दूसरी ओर कांग्रेस कार्यालय में संगठनात्मक संवाद, भाजपा सरकार पर निशाना और पत्रकारों के सवालों पर दिए गए उनके चुटीले जवाबों ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ाई।

खाटू श्याम बाबा के दरबार में मत्था टेककर मांगी प्रदेश की खुशहाली- मनेंद्रगढ़ प्रवास की शुरुआत भूपेश बघेल ने प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर में दर्शन-पूजन के साथ की, उन्होंने बाबा श्याम के दरबार में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और 56 भोग अर्पित कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली तथा जनकल्याण की कामना की, धार्मिक स्थल पर उनकी मौजूदगी के दौरान श्रद्धा और आत्मीयता का वातावरण दिखाई दिया,मंदिर में दर्शन के बाद वे पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राजकुमार केशरवानी के निवास पहुंचे। यहां परिवारजनों और स्थानीय लोगों ने उनका आत्मीय स्वागत किया,इस मुलाकात के दौरान सौहार्दपूर्ण माहौल रहा,धार्मिक दर्शन और स्थानीय परिवार से मुलाकात के बाद उनका काफिला जिला कांग्रेस कार्यालय की ओर रवाना हुआ, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत की व्यापक तैयारियां कर रखी थीं।

केंद्र और प्रदेश सरकार पर निशाना, जनहित के मुद्दों पर संघर्ष का आह्वान- जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान भूपेश बघेल ने संगठनात्मक गतिविधियों और वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा की,इस दौरान उन्होंने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर अपनी असहमति जाहिर की,उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आम जनता से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाने और संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय रखने का आह्वान किया, उनका जोर इस बात पर रहा कि पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझें और उन मुद्दों को राजनीतिक तथा लोकतांत्रिक मंचों पर मजबूती से उठाएं,उनके संबोधन के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया, दौरे के इस हिस्से को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है,क्योंकि वरिष्ठ नेतृत्व की मौजूदगी में स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को आपसी संवाद का अवसर मिला।

पूर्व ओएसडी की सोशल मीडिया पोस्ट पर सफाई,निजी विचारों को पार्टी से अलग बताया- प्रेस से बातचीत के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री से उनके पूर्व विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (ओएसडी) की कथित सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर भी सवाल किया गया, वायरल पोस्ट में लिखे गए कथित वाक्य- 'बाप तो बाप रहेगा, जिस पेड़ पर बैठोगे काटोगे तो इति सिद्धम...' को लेकर जब पत्रकार ने उनका पक्ष जानना चाहा, तो भूपेश बघेल ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति की ओर से सोशल मीडिया पर व्यक्त किए गए विचारों को पार्टी का आधिकारिक विचार नहीं माना जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि यह संबंधित व्यक्ति के निजी विचार हो सकते हैं और इन्हें कांग्रेस पार्टी की विचारधारा अथवा आधिकारिक रुख से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए,उनके इस जवाब को व्यक्तिगत अभिव्यक्ति और राजनीतिक संगठन के आधिकारिक दृष्टिकोण के बीच अंतर स्पष्ट करने के प्रयास के रूप में देखा गया,यह सवाल इसलिए भी चर्चा में रहा, क्योंकि सोशल मीडिया पर किसी पदाधिकारी या पूर्व सहयोगी की टिप्पणी को अक्सर राजनीतिक दल के रुख से जोड़कर देखा जाने लगता है,भूपेश बघेल ने अपने जवाब के जरिए पार्टी की आधिकारिक स्थिति और किसी व्यक्ति की निजी टिप्पणी को अलग-अलग रखने की बात कही।

एमसीबी जिला गठन से जुड़ा है मनेंद्रगढ़ के साथ भावनात्मक रिश्ता- भूपेश बघेल के मनेंद्रगढ़ प्रवास के दौरान स्थानीय स्तर पर दिखाई दिया उत्साह केवल राजनीतिक स्वागत तक सीमित नहीं था, इस क्षेत्र के साथ उनका पुराना राजनीतिक और भावनात्मक जुड़ाव भी इसकी एक बड़ी वजह रहा, उनके मुख्यमंत्रित्व काल में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) को नए जिले के रूप में गठित किया गया था,क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही जिला गठन की मांग पूरी होने के बाद इस अंचल के लोगों के बीच उनके प्रति एक विशेष जुड़ाव बना, जिला गठन को क्षेत्र के प्रशासनिक विकास और स्थानीय पहचान से जोड़कर देखा जाता रहा है। ऐसे में भूपेश बघेल का मनेंद्रगढ़ पहुंचना स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ उन लोगों के लिए भी विशेष महत्व रखता है,जो नए जिले के गठन को क्षेत्र की एक बड़ी उपलब्धि मानते हैं, जिला गठन के बाद उनके पहले आगमन पर भी क्षेत्र में व्यापक स्वागत हुआ था, शुक्रवार को एक बार फिर सड़कों और जिला कांग्रेस कार्यालय में दिखाई दिया उत्साह पुराने जुड़ाव की याद दिलाता नजर आया, स्वागत का वीडियो साझा कर 'लव यू मनेंद्रगढ़' लिखना भी इसी आत्मीयता की अभिव्यक्ति के रूप में देखा गया।

स्वागत में वरिष्ठ नेताओं से लेकर युवा कार्यकर्ताओं तक की मौजूदगी- भूपेश बघेल के स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों और संगठन के विभिन्न स्तरों के पदाधिकारियों की व्यापक मौजूदगी रही, इस दौरान सूरजपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह, विधायक गुलाब कमरों,मनेंद्रगढ़ विधानसभा के विधायक प्रत्याशी रमेश सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी, जिला कांग्रेस महामंत्री रफीक मेमन, जिला महामंत्री पूनम सिंह, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ग्रामीण रामनरेश पटेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शहरी सौरव मिश्रा, मंडल अध्यक्ष दीपक श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष अमित पुरी, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष कासिम अंसारी और रामा यादव सहित पार्षदगण, जिला एवं ब्लॉक स्तर के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आत्मीय स्वागत के साथ सियासी संदेश भी छोड़ गया दौरा- कुल मिलाकर भूपेश बघेल का मनेंद्रगढ़ प्रवास कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा, खाटू श्याम बाबा के दरबार में पूजा-अर्चना और 56 भोग अर्पित करने से शुरू हुआ दौरा कांग्रेस कार्यालय में संगठनात्मक संवाद और राजनीतिक बयानबाजी तक पहुंचा,'लव यू मनेंद्रगढ़' के संदेश ने स्थानीय लोगों के साथ उनके भावनात्मक जुड़ाव को चर्चा में ला दिया, तो देवेंद्र यादव से संबंधों और पूर्व ओएसडी की सोशल मीडिया पोस्ट पर दिए गए जवाबों ने राजनीतिक हलकों का ध्यान खींचा,इस दौरे में एक ओर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को वरिष्ठ नेतृत्व से संवाद का अवसर मिला,वहीं दूसरी ओर भूपेश बघेल ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ पार्टी की राजनीतिक लड़ाई को जनहित के मुद्दों पर आगे बढ़ाने का संदेश भी दिया। मनेंद्रगढ़ में मिले स्वागत और उनके सार्वजनिक बयानों ने यह स्पष्ट किया कि यह प्रवास केवल औपचारिक संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि इसमें स्थानीय भावनाओं, पार्टी की एकजुटता और प्रदेश की राजनीति से जुड़े कई संदेश भी शामिल रहे।

फोटो 01



जिला कांग्रेस कार्यालय में उमड़ा कार्यकर्ताओं का उत्साह,संगठन की मजबूती पर हुई चर्चा

पूर्व मुख्यमंत्री के जिला कांग्रेस कार्यालय एमसीबी पहुंचने पर जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस संगठन के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर और फूलमालाओं से उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया,कार्यालय परिसर में काफी देर तक स्वागत और मुलाकातों का सिलसिला चलता रहा, इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि भूपेश बघेल का मनेंद्रगढ़ आगमन कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए उत्साह और ऊर्जा का अवसर है,उनके राजनीतिक अनुभव और मार्गदर्शन से संगठन को मजबूती मिलती है, विधायक गुलाब कमरों ने भी उनके आगमन को संगठनात्मक एकजुटता और आपसी संवाद के लिहाज से महत्वपूर्ण बताया,मनेंद्रगढ़ विधानसभा के विधायक प्रत्याशी रमेश सिंह ने कहा कि वरिष्ठ नेतृत्व के साथ मुलाकात और संवाद से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होता है, एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे ने युवाओं और छात्र संगठन के प्रति भूपेश बघेल के मार्गदर्शन एवं सहयोग का उल्लेख किया, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री का जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचना सभी कांग्रेसजनों के लिए सम्मान और प्रसन्नता का विषय है, उन्होंने बताया कि जिला एवं ब्लॉक स्तर के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर उनका स्वागत किया, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल ने भी उनके आगमन को गौरव और प्रसन्नता का अवसर बताया, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी ने उनके मार्गदर्शन को कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण बताया, जबकि जिला कांग्रेस महामंत्री रफीक मेमन ने कहा कि उनके आगमन से जिले के कांग्रेसजनों में विशेष उत्साह देखने को मिला।



देवेंद्र यादव से रिश्तों पर सवाल,मुस्कराकर बोले- किससे खराब है भाई मेरा...

मनेंद्रगढ़ प्रवास के दौरान पत्रकारों से बातचीत में राजनीतिक चर्चाओं का एक दिलचस्प प्रसंग उस समय सामने आया,जब उनसे विधायक देवेंद्र यादव के साथ मौजूदा संबंधों को लेकर सवाल किया गया,कभी भूपेश बघेल के करीबी माने जाने वाले देवेंद्र यादव के साथ संबंधों की स्थिति जानने के लिए पत्रकार ने पूछा कि क्या अभी भी दोनों के बीच संबंध ठीक हैं? इस पर भूपेश बघेल ने मुस्कराते हुए चुटीले अंदाज में जवाब दिया- 'किससे खराब है भाई मेरा...' उनका यह संक्षिप्त जवाब चर्चा का विषय बन गया, राजनीतिक हलकों में इस टिप्पणी को दोनों नेताओं के संबंधों को लेकर चल रही चर्चाओं के संदर्भ में देखा जा रहा है,हालांकि उन्होंने अपने जवाब में किसी मतभेद या विवाद की स्पष्ट पुष्टि नहीं की,उनका अंदाज यह संकेत देता नजर आया कि वे इस सवाल को सहजता से लेते हैं और किसी व्यक्ति के साथ संबंध खराब होने की बात स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

अब निजी अस्पतालों जैसी दिखेगी मनेंद्रगढ़ सरकारी अस्पताल की सफाई व्यवस्था!

आधुनिक सफाई मशीन से चमकने लगे अस्पताल के फर्श, मरीजों और परिजनों को बेहतर स्वच्छता की उम्मीद;सरकारी अस्पताल की व्यवस्था में दिखी सकारात्मक पहल

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सरकारी अस्पतालों में बेहतर उपचार सुविधाओं के साथ स्वच्छ और संक्रमणमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना भी स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, इसी दिशा में मनेंद्रगढ़ के शासकीय अस्पताल में आधुनिक सफाई मशीन की उपलब्धता के बाद सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने की पहल शुरू हुई है,मशीन के जरिए अस्पताल परिसर के फर्श की सफाई किए जाने से अस्पताल की स्वच्छता व्यवस्था में बदलाव की उम्मीद जगी है, अस्पताल में आधुनिक मशीन से फर्श की सफाई का दृश्य मरीजों और उनके परिजनों का ध्यान आकर्षित कर रहा है, मशीन के माध्यम से सफाई होने से बड़े परिसर में फर्श को व्यवस्थित तरीके से साफ करना आसान होगा, पारंपरिक सफाई पद्धति की तुलना में इस व्यवस्था से सफाई कार्य को अधिक सुविधाजनक और प्रभावी बनाने में मदद मिल सकती है।

मरीजों की आवाजाही के बीच स्वच्छता की चुनौती- शासकीय अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज,उनके परिजन और स्वास्थ्यकर्मी आते-जाते हैं। ऐसे में अस्पताल के गलियारों, वार्डों और अन्य सार्वजनिक हिस्सों में साफ-सफाई बनाए रखना किसी चुनौती से कम नहीं है,विशेषकर अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर स्वच्छता का सीधा संबंध मरीजों की सुविधा और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ा होता है,नई मशीन उपलब्ध होने से सफाई कर्मचारियों को भी काम में सुविधा मिलने की उम्मीद है,इससे अस्पताल परिसर को नियमित रूप से साफ रखने और स्वच्छता व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद मिल सकती है।

सरकारी अस्पताल की छवि बदलने की दिशा में पहल-आमतौर पर सरकारी अस्पतालों की सफाई और व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठते रहे हैं,ऐसे में मनेंद्रगढ़ के शासकीय अस्पताल में आधुनिक सफाई मशीन का उपयोग एक सकारात्मक पहल के रूप में सामने आया है,निजी अस्पतालों जैसी व्यवस्थित स्वच्छता का अनुभव सरकारी अस्पताल में भी मिले, तो इससे मरीजों और उनके परिजनों का भरोसा बढ़ेगा, हालांकि मशीन की उपलब्धता के साथ उसका नियमित उपयोग,रखरखाव और सफाई व्यवस्था की निरंतर निगरानी भी जरूरी होगी,अस्पताल प्रबंधन के सामने अब चुनौती इस पहल को केवल शुरुआत तक सीमित न रखकर नियमित व्यवस्था का हिस्सा बनाने की है, कुल मिलाकर, बेहतर उपचार के साथ स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में मनेंद्रगढ़ शासकीय अस्पताल की यह पहल सराहनीय है,यदि आधुनिक मशीन का नियमित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाता है,तो अस्पताल की स्वच्छता व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल सकता है।







फसल नुकसान पर बीमा दावा पाने का मौका,किसान 72 घंटे के भीतर दर्ज कराएं शिकायत

बारिश और अतिवृष्टि से फसल को नुकसान? किसान तुरंत 14447 पर करें सूचना

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

जिले में बेमौसम वर्षा, चक्रवात और अतिवृष्टि की आशंका को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल क्षति की सूचना तत्काल दर्ज कराने की अपील की है, उप संचालक कृषि, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ने स्पष्ट किया है कि प्राकृतिक आपदा के कारण बीमित फसल को नुकसान होने पर संबंधित किसान को क्षति की जानकारी 72 घंटे के भीतर देना अनिवार्य है। निर्धारित समय-सीमा में सूचना दर्ज कराने पर ही नियमानुसार सर्वेक्षण और दावा भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। कृषि विभाग के अनुसार फसल नुकसान की सूचना दर्ज कराने के लिए किसानों को टोल फ्री नंबर 14447 की सुविधा दी गई है। इसके अलावा किसान क्रॉप इंश्योरेंस ऐप और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की आधिकारिक वेबसाइट pmfby.gov.in के माध्यम से भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं, विभाग ने किसानों से अपील की है कि नुकसान होने की स्थिति में देरी न करें और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखें।

कटाई के बाद खेत में रखी फसल को नुकसान पर भी दावा

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रावधानों के तहत कटाई के बाद खेत में सुखाने के लिए रखी गई फसल,जिसे स्थानीय स्तर पर करपा कहा जाता है,को भी कुछ परिस्थितियों में बीमा सुरक्षा प्राप्त है, यदि कटाई के बाद 14 दिनों की अवधि के भीतर बेमौसम वर्षा अथवा चक्रवात के कारण फसल को नुकसान होता है,तो संबंधित किसान दावा दर्ज करा सकते हैं,इसी तरह अतिवृष्टि के कारण खेत में जलभराव होने से फसल क्षतिग्रस्त होने पर भी प्रभावित किसान अपनी सूचना दर्ज करा सकते हैं,ऐसे मामलों में समय पर सूचना देना और आवश्यक विवरण उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण होगा।

शिकायत दर्ज कराने से पहले तैयार रखें जरूरी जानकारी- विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि फसल क्षति की सूचना दर्ज कराते समय कुछ आवश्यक जानकारियां पहले से तैयार रखें,इनमें किसान का नाम, मोबाइल नंबर,ग्राम का नाम,खसरा नंबर, बीमित फसल का नाम,पॉलिसी नंबर, नुकसान का कारण और क्षति होने की तारीख शामिल हैं,इन जानकारियों के आधार पर शिकायत दर्ज कराने और आगे की प्रक्रिया में सुविधा होगी।

सर्वेक्षण और दावा भुगतान के लिए तय समय-सीमा-कृषि विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्राप्त सूचना के आधार पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत 48 घंटे के भीतर सर्वेयर की नियुक्ति,10 दिनों के भीतर सर्वेक्षण और 15 दिनों के भीतर दावा राशि सीधे किसान के बैंक खाते में भुगतान किए जाने की व्यवस्था है, हालांकि दावा भुगतान संबंधित प्रकरण के सत्यापन और योजना के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।

मैदानी अमले को किसानों की मदद के निर्देश

उप संचालक कृषि ने जिले के सभी मैदानी कृषि अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे प्रभावित किसानों तक फसल बीमा से जुड़ी जानकारी तत्काल पहुंचाएं और शिकायत दर्ज कराने में आवश्यक सहयोग करें,इसके लिए किसान समूहों,ग्राम पंचायत समूहों और सहकारी समितियों के माध्यम से भी संदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा गया है,इसके साथ ही जिले में फसल क्षति और प्राप्त शिकायतों की जानकारी संकलित कर कृषि संचालनालय को भेजने के निर्देश दिए गए हैं,कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि प्राकृतिक आपदा के कारण बीमित फसल को नुकसान होने पर तत्काल टोल फ्री नंबर 14447 पर सूचना दर्ज कराएं,72 घंटे की निर्धारित समय-सीमा का पालन करना जरूरी है,ताकि प्रभावित किसानों के मामलों में नियमानुसार सर्वेक्षण और बीमा दावा भुगतान की कार्यवाही की जा सके।

बोर्ड परीक्षाओं के तर्ज पर होगी सभी कक्षाओं की आगामी छमाही परीक्षा

स्कूल शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक में शैक्षणिक गुणवत्ता,परीक्षा परिणाम,शिक्षक उपस्थिति, जेईई-नीट तैयारी,एवं आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा



-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने आज स्कूल शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक लेकर जिले में शिक्षा व्यवस्था, विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति,शिक्षकों की उपस्थिति,विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं एवं विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने, उनकी शैक्षणिक दक्षता बढ़ाने तथा बेहतर परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारी एवं शिक्षक समन्वय,प्रतिबद्धता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। बैठक में प्राथमिक,माध्यमिक,हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में दर्ज विद्यार्थियों की संख्या, शिक्षकों की उपलब्धता एवं विकासखंडवार अपार आईडी निर्माण की स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जिन विद्यार्थियों की अपार आईडी नहीं बन पाई है, उनके कारणों को सूचीबद्ध कर एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। आधार कार्ड निर्माण में आ रही समस्याओं वाले प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने तथा कक्षा पहली के बच्चों के जाति प्रमाण पत्र शत-प्रतिशत बनाने और विद्यार्थियों के बायोमेट्रिक अपडेट सुनिश्चित करने को कहा।

आरटीई के तहत प्रवेशित बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर

आरटीई के तहत प्रवेशित विद्यार्थियों की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि यदि कोई बच्चा शैक्षणिक सत्र के मध्य में विद्यालय छोड़ता है, तो उसके कारणों की पूरी जानकारी सम्बंधित निजी विद्यालय द्वारा सात दिवस के भीतर शिक्षा विभाग को उपलब्ध कराई जाए। आरटीई के तहत प्रवेश लेने वाले बच्चों के प्रति शिक्षकों का व्यवहार सहयोगात्मक हो तथा उन्हें विद्यालय में बेहतर वातावरण, समान अवसर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाए।

शिक्षकों की उपस्थिति एवं अध्यापन गुणवत्ता को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान

विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या, उपस्थिति, अध्यापन की गुणवत्ता, परीक्षा तैयारी एवं रिक्त पदों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जिन विद्यालयों में विषय शिक्षकों की कमी के कारण पढ़ाई प्रभावित हो रही है, वहां वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। डीएमएफ मद से पदस्थ अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति एवं उनके द्वारा कराए जा रहे अध्यापन की गुणवत्ता की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों की उपलब्धता एवं रिक्त पदों की भी जानकारी ली गई।

जेईई-नीट की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए नियमित कक्षाएं एवं टेस्ट सीरीज सुनिश्चित करें

जिले में संचालित जेईई एवं नीट ऑनलाइन कक्षाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कक्षाओं का नियमित संचालन, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति, नियमित टेस्ट सीरीज तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को स्मार्ट स्टडी के साथ कठिन परिश्रम अपनाने के लिए प्रेरित करने को कहा। किसी कारणवश कक्षा छूटने पर विद्यार्थियों को रिकॉर्डेड क्लास उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शिक्षकों की पढ़ाने की शैली एवं अध्यापन गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने को कहा। किसी कारणवश जेईई-नीट में चयन नहीं होने वाले विद्यार्थियों की उचित काउंसलिंग कर उनका आत्मविश्वास बढ़ाने एवं मानसिक रूप से मजबूत बनाने के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए।

किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये आदान सहायता, फसल विविधीकरण पर भी बढ़ा प्रोत्साहन

धान खरीदी एवं कृषक उन्नति योजना को लेकर भाजपा किसान मोर्चा की प्रेसवार्ता,बाबूलाल अग्रवाल ने कहा-साय सरकार किसानों की आय और आर्थिक सुरक्षा को दे रही प्राथमिकता

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

किसानों के हित में राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों और धान खरीदी एवं कृषक उन्नति योजना के प्रावधानों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा किसान मोर्चा की प्रेसवार्ता बैकुंठपुर विश्राम गृह में आयोजित की गई,प्रेसवार्ता में भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार के किसान हितैषी निर्णयों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने,आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए एमसीबी संगठन प्रभारी एवं मुख्य वक्ता बाबूलाल अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, सरकार द्वारा किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा रहा है, कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत प्रति क्विंटल 3100 रुपये के मूल्य तक पहुंचने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और निर्धारित अंतर की राशि का भुगतान किसानों को किया जाता रहा है, उन्होंने बताया कि अब योजना के अंतर्गत प्रति एकड़ के आधार पर किसानों को एक समान आदान सहायता राशि देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है, इसके तहत किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये दिए जाएंगे,इस व्यवस्था से किसानों को अपनी आवश्यकता और सुविधानुसार धान विक्रय करने की स्वतंत्रता मिलेगी, साथ ही, रकबे की तुलना में कम मात्रा में धान बेचने वाले किसानों को भी निर्धारित प्रोत्साहन राशि का लाभ सुनिश्चित होगा, उनके अनुसार यह निर्णय किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।



फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन,सहायता राशि में वृद्धि

बाबूलाल अग्रवाल ने कहा कि सरकार किसानों को धान के साथ-साथ वैकल्पिक और लाभकारी फसलों की ओर प्रोत्साहित कर रही है,कृषक उन्नति योजना के तहत धान के स्थान पर अन्य फसल लेने वाले किसानों के लिए प्रति एकड़ सहायता राशि 11 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये करने का प्रावधान किया गया है,इस घटक के अंतर्गत अब तक 52 हजार से अधिक किसानों ने 28 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र के लिए पंजीयन कराया है, उन्होंने बताया कि धान के अतिरिक्त दलहन,तिलहन,मक्का,कोदो, कुटकी, रागी और कपास जैसी फसलें लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 10 हजार रुपये दिए जाने का प्रावधान है,इस घटक के तहत अब तक 4 लाख 26 हजार 185 किसानों द्वारा 2 लाख 6 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र के लिए पंजीयन कराया जा चुका है।

25 लाख से अधिक किसानों को 35,904 करोड़ रुपये का भुगतान- प्रेसवार्ता में योजना के तहत किसानों को किए गए भुगतान का विवरण भी प्रस्तुत किया गया,बाबूलाल अग्रवाल के अनुसार खरीफ 2023 से खरीफ 2025 तक प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों को अब तक कुल 35,904 करोड़ 90 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है, इसमें खरीफ 2023 के लिए 13,289 करोड़ रुपये, खरीफ 2024 के लिए 11,976 करोड़ रुपये तथा खरीफ 2025 के लिए 10,639 करोड़ रुपये का भुगतान शामिल है,उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों से किए गए वादों को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है,धान खरीदी की बेहतर व्यवस्था,आर्थिक सहायता,कृषि सुविधाओं का विस्तार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

किसानों की समृद्धि से प्रदेश की खुशहाली का संकल्प- अग्रवाल ने कहा कि किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, किसानों की मेहनत से ही प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली का रास्ता तैयार होता है, भाजपा सरकार का संकल्प है कि अन्नदाताओं को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, उनकी आय में वृद्धि हो तथा उनके परिवारों का भविष्य सुरक्षित और समृद्ध बने, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार किसान कल्याण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है, सरकार की योजनाएं किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ प्रदेश के कृषि क्षेत्र को नई मजबूती प्रदान कर रही हैं।

भाजपा पदाधिकारी और किसान मोर्चा के नेता रहे उपस्थित

प्रेसवार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्णबिहारी जायसवाल,जिला महामंत्री पंकज गुप्ता,नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह,किसान मोर्चा जिला प्रभारी आशुतोष दुबे,किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष शिवचरण साहू, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, जिला सह प्रभारी वर्षा साहू,जिला महामंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय,मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक,संजय चिकनजूरी,संदीप साहू एवं महामंत्री हरिओम साहू सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रानई जमींदार एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता योगेश शुक्ला के पुत्र के विवाह समारोह में पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

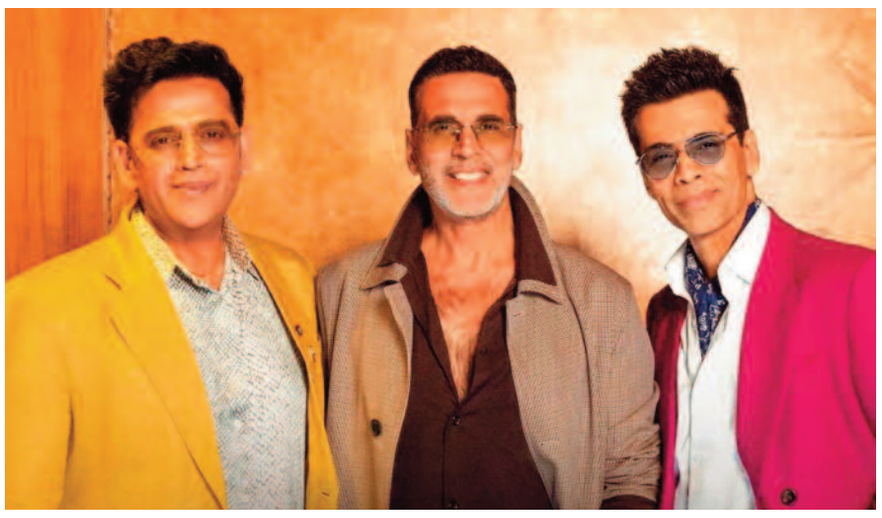
पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने की शिरकत,नवदंपति को दिया सुखद दांपत्य जीवन का आशीर्वाद



-संवाददाता-
बैकुंठपुर 21 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

रानई जमींदार एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता योगेश शुक्ला के पुत्र चिरंजीव अभिषेक शुक्ला के विवाह समारोह में 20 नवंबर को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव भूपेश बघेल शामिल हुए, बैकुंठपुर स्थित गंगा श्री होटल में आयोजित इस वैवाहिक समारोह में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और गणमान्य लोगों की मौजूदगी रही। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समारोह में पहुंचकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की, इस दौरान उन्होंने परिवारजनों से मुलाकात कर विवाह की खुशियों में सहभागिता निभाई, समारोह में पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत सहित कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता भी पहुंचे। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की उपस्थिति के कारण विवाह समारोह में विशेष रौनक देखने को मिली, योगेश शुक्ला क्षेत्र में जमींदार परिवार से जुड़े होने के साथ-साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता के रूप में भी अपनी पहचान रखते हैं, उनके पुत्र के विवाह समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का पहुंचना पारिवारिक और सामाजिक दृष्टि से खास रहा, इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने नवदंपति को शुभकामनाएं देते हुए उनके नए जीवन की सुखद शुरुआत की कामना की।

अक्षय कुमार ने कॉफी विद करण 9 के लिए सुझाया था रवि किशन का नाम,दर्शकों को लोटपोट करने को तैयार



अक्षय कुमार ने कॉफी विद करण 9 के नए एपिसोड के लिए रवि किशन का नाम सुझाया था। दोनों की जोड़ी दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। करण जौहर का यह मजेदार एपिसोड बुधवार शाम 7 बजे जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा। कॉफी विद करण 9 का नया प्रोमो रिलीज हो चुका है, जिसमें अक्षय कुमार और रवि किशन नजर आने वाले हैं। करण जौहर ने अपने पॉपुलर चैट शो के नए एपिसोड का एक मजेदार वीडियो शेयर किया है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए शो के मेकर्स ने बताया कि इस एपिसोड के लिए रवि किशन का नाम अक्षय कुमार ने सुझाया था। वहीं,फिल्ममेकर करण ने भोजपुरी सुपरस्टार रवि को जीईएन का पसंदीदा बताया। इसके साथ ही खिलाड़ी कुमार ने उनके मशहूर डांस की भी तारीफ की।

कॉफी विद करण 9 में अक्षय कुमार और रवि किशन मचाएंगे धमाल

जब अक्षय कुमार ने कॉफी विद करण के काउच पर अपने पार्टनर के तौर पर रवि किशन का नाम सुझाया तो यह साफ हो गया था कि यह एपिसोड कुछ अलग और खास होने वाला है। हाल ही में आया प्रोमो भी कुछ ऐसा ही वादा करता है। एक बेहद मनोरंजक जोड़ी,मजेदार बातचीत और जबरदस्त एनर्जी, जिसने करण जौहर के इस सेलिब्रिटी चैट शो को पॉप-कल्चर का एक अहम हिस्सा बना दिया है।

कॉफी विद करण 9 का नया प्रोमो

प्रोमो में अक्षय कुमार और रवि किशन के बीच मस्ती और मजेदार बातचीत देखने को मिल रही है। इससे साफ है कि यह बातचीत हंसी-मजाक, दिलचस्प खुलासों और मजेदार वन-लाइनर्स से भरपूर होने वाली है। अक्षय की हाजिरजवाबी और रवि किशन के शानदार अंदाज के साथ यह एपिसोड शुरू से आखिर तक भरपूर मनोरंजन देने के लिए तैयार है। मेकर्स ने वीडियो शेयर करते हुए, कैप्शन लिखा कॉफी विद करण का सीजन 9 इस शो का आखिरी सीजन है। यह विशेष रूप से जियो हॉटस्टार पर द पीकॉक हब पर स्ट्रीम हो रहा है, जिसके नए एपिसोड हर बुधवार शाम 7 बजे आते हैं।

रवि किशन और अक्षय कुमार का डांस

बाद में करण ने रवि की मशहूर बिहार का ब्रैड पिट वाली टिप्पणी का जिक्र किया, जिसे सुनकर अभिनेता हंस पड़े। यह मजेदार माहौल तब और शानदार बन गया,जब अक्षय ने रवि के वायरल डांस स्टेप्स सीखने की इच्छा जताई। इसके बाद दोनों ने मिलकर अभिनेता के उन मशहूर डांस स्टेप्स को दोहराया,जिससे एक बहुत ही मनोरंजक पल बन गया।

अक्षय कुमार और रवि किशन का एपिसोड कब होगा रिलीज

कॉफी विद करण 9 का यह 7वां एपिसोड इस बुधवार शाम 7 बजे सिर्फ जियो हॉटस्टार के द पीकॉक हब पर आएगा। प्रोमो को देखकर तो यही लगता है कि दर्शक भारत के सबसे मशहूर काउच पर हंसी-मजाक से भरे एक शानदार घंटे के लिए तैयार हो जाएं! हाल ही में इस शो में एक्ट्रेस अनन्या पांडे और बिजनेसवुमन अनन्या बिड़ला कॉफी विद करण सीजन 9 के छठे एपिसोड में एक साथ नजर आई थीं।



फ्लाइट में सोनू निगम ने बिखेरा सुरों का जादू यात्रियों के लिए गाए अपने सुपरहिट गाने

सोनू निगम को उस वक्त एक प्यारा सरप्राइज मिला, जब फ्लाइट में सफर कर रहे यात्रियों ने उनके मशहूर गाने कल हो ना हो और मैं अगर कहूं गाना शुरू कर दिया। यात्रियों के इस प्यार से अभिभूत सिंगर ने भी छोटी-सी लाइव परफॉर्मेंस दी। मशहूर सिंगर सोनू निगम को तब एक स्पेशल सरप्राइज मिला, जब एक फ्लाइट में मौजूद यात्रियों ने अचानक गाना-बजाना शुरू कर दिया। वे सोनू के कुछ सबसे पसंदीदा गाने गा रहे थे, जिससे पूरा विमान एक छोटे से कॉन्सर्ट वेन्यू में बदल गया। सोनू निगम ने सोशल मीडिया पर इस यादगार पल की एक झलक शेयर की, जिसमें फ्लाइट के अंदर बैठे यात्री उनके गाने गाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस खास परफॉरमेंस में कल हो ना हो और मैं अगर कहूं जैसे लोकप्रिय गाने शामिल थे, जो कल हो ना हो और ओम शांति ओम फिल्म से हैं।

फ्लाइट में सोनू निगम ने गाए अपने सुपरहिट गाने

इस भावपूर्ण पल से सिंगर सोनू निगम काफी खुश दिखे और वे अपने फोन से यात्रियों का वीडियो रिकॉर्ड करने लगे। एक समय पर उन्होंने अपने फोन का फ्रंट कैमरा इस्तेमाल करके खुद को भी रिकॉर्ड किया, जबकि उनके पीछे यात्री लगातार गाते रहे। जब सोनू इस खास पल को रिकॉर्ड कर रहे थे तब यात्रियों ने भी अपने फोन निकालकर सोनू का वीडियो बनाया।

काम की सराहना के बाद शिवात्मिका राजशेखर ने कहा शुक्रिया



निर्देशक तरुण भास्कर धास्यम की फिल्म ई नगरानिकी एमैनदी रिपीट में कीर्तनाका किरदार निभाने वाली अभिनेत्री शिवात्मिका राजशेखर ने शनिवार को एक नोट लिखकर उन लोगों का आभार जताया,जिन्होंने फिल्म में उनके काम की तारीफ की है। अपने इंस्टाग्राम पेज पर,दर्शकों से मिल रहे ढेर सारे प्यार से अभिभूत होकर अभिनेत्री ने लिखा,हर मैसेज, हर टैग और जब भी आप लोग कहते हैं कि कीर्तना आपको अपनी सी लगी...तो मेरा दिल खुशी से झूम उठता है और मेरे चेहरे पर एक बड़ी सी मुस्कान आ जाती है। तेलुगु सिनेमा मेरा घर है; यहाँ स्वीकार किया जाना और प्यार पाना, ऐसा कुछ है जिसका मैंने हमेशा सपना देखा है। आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद,आप में से हर एक का,जिन्होंने मुझे इतना प्यार दिया है...उन्होंने आगे कहा,मेरे पास सच में शब्द नहीं हैं! मेरे दिल में जो प्यार और आभार उमड़ रहा है, उसके लिए सिर्फ आभारी हूँ कहना काफी नहीं है...फिलहाल, मैं बस इतना कहूँगी कि मैं बहुत-बहुत आभारी हूँ। आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद! अभिनेत्री ने कहा,मेरे लिए ईएनई रिपीट का मतलब ही प्यार है,और ऐसा हमारी टीम के हर एक प्यारे सदस्य की वजह से है। अपार खुशी के साथ,अपनी टीम और दर्शकों को एक बड़ा सा वर्चुअल हग देते हुए और चेहरे पर एक बड़ी सी मुस्कान के साथ,मैं कीर्तना के रूप में अपनी बात यहीं खत्म करती हूँ। बता दें कि तरुण भास्कर धास्यम द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शिवात्मिका राजशेखर के अलावा विश्वक सेन,अभिनव गोमाटम,श्रीनाथ मगांती,वेंकटेश काकुमानु,अनीशा एम्ब्रोस, करुणाकुमार,प्रियदर्शिनी राम और महेश भास्कर जैसे कलाकार शामिल हैं। 21 नवंबर को रिलीज़ हुई ईएनई रिपीट की तकनीकी टीम बहुत शानदार थी। फिल्म का संगीत विवेक सागर ने दिया है, जबकि सिनेमैटोग्राफर एजे आरोन ने इसके विजुअल्स तैयार किए हैं। फिल्म की एडिटिंग रवितेजा गिरिजाला ने की है, और फिल्म को अच्छी ओपनिंग मिली है।

वेडिंग रिसेप्शन से पहले काव्या मारन ने कर्मचारियों को दिए गोल्ड रिंग्स



सनराइजर्स हैदराबाद की सह-मालकिन और सन ग्रुप की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर काव्या मारन इन दिनों अपनी शादी और उससे जुड़े समारोहों को लेकर चर्चा में हैं। शादी के जश्न के बीच उन्होंने अपने कर्मचारियों के लिए ऐसा खास सरप्राइज तैयार किया है, जिसकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। काव्या मारन की ओर से सन ग्रुप के कर्मचारियों को सोने की अंगूठियां, चॉकलेट और शादी के समारोह का निमंत्रण भेजा गया है। इस खास तोहफे का वीडियो सामने आने के बाद लोग उनकी इस पहल की चर्चा कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में सन ग्रुप का एक कर्मचारी गिफ्ट बॉक्स खोलकर उसमें रखी चीजें दिखाता नजर आ रहा है। बॉक्स में एक खूबसूरत निमंत्रण कार्ड, चॉकलेट और सोने की अंगूठी रखी हुई दिखाई देती है। कर्मचारी इस खास तोहफे को देखकर अपनी खुशी और हैरानी जाहिर करता है। शादी के मौके पर कर्मचारियों के लिए भेजे गए इस उपहार ने समारोह की चर्चा को और बढ़ा दिया है। काव्या मारन की ओर से कर्मचारियों को भेजे गए गिफ्ट बॉक्स में कई खास चीजें शामिल हैं। इसमें सबसे ज्यादा ध्यान सोने की अंगूठी ने खींचा है। इसके साथ चॉकलेट और शादी के कार्यक्रम का निमंत्रण कार्ड भी दिया गया है। वायरल वीडियो में कर्मचारी बॉक्स में रखी अंगूठी को दिखाते हुए अपनी खुशी जाहिर करता है।वीडियो में कर्मचारी बताता है कि उन्हें उम्मीद थी कि शादी के मौके पर गोल्ड कॉइन यानी सोने के सिक्के मिलेंगे, लेकिन जब उन्होंने बॉक्स खोला तो उसमें सोने की अंगूठी देखकर वे हैरान रह गए। कर्मचारियों के लिए यह उपहार केवल एक औपचारिक गिफ्ट नहीं, बल्कि शादी की खुशियों में उन्हें शामिल करने का खास तरीका माना जा रहा है।हालांकि, इन सोने की अंगूठियों का वजन और बाजार मूल्य कितना है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इसी तरह सन ग्रुप के कुल कितने कर्मचारियों को ये गिफ्ट बॉक्स दिए गए हैं, इसकी भी आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। गिफ्ट बॉक्स में रखे निमंत्रण कार्ड ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। कार्ड में 25 नवंबर को विशेष लंच पार्टी का उल्लेख किया गया है। यानी कर्मचारियों को सोने की अंगूठी और चॉकलेट देने के साथ उन्हें एक विशेष आयोजन में शामिल होने का निमंत्रण भी भेजा गया है।इस निमंत्रण के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर 25 नवंबर के कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यह लंच पार्टी विशेष रूप से सन ग्रुप के कर्मचारियों के लिए आयोजित की जा रही है या इसका स्वरूप कुछ अलग है। फिलहाल कार्ड में दी गई जानकारी के अनुसार 25 नवंबर को लंच का कार्यक्रम निर्धारित है।

खेल-समाचार

इंग्लैंड के खिलाफ टी 20आई सीरीज के लिए भारतीय यू-19 टीम का ऐलान

18 साल की खिलाड़ी को मिली कप्तानी

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2026। बीसीसीआई ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय अंडर-19 महिला टीम का ऐलान किया है। भाविका अहीरे टीम की कप्तान और अनादी टागड़े उपकप्तान होंगी। आईसीसी 19 महिला टी 20 वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों को धार देने के लिए भारतीय टीम मैदान पर उतरने जा रही है। बीसीसीआईने इंग्लैंड की अंडर-19 महिला टीम के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी 20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। इस सीरीज में



टीम की कमान भाविका अहीरे को सौंपी गई है, जबकि अनादी टागड़े उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी।

वडोदरा और सूरत में खेले जाएंगे मुकाबले

बीसीसीआई की महिला सिलेक्शन कमेटी ने शनिवार को टीम का ऐलान किया। भारत और इंग्लैंड की यू-19 महिला टीमों के बीच यह सीरीज 26 नवंबर से 6 दिसंबर तक खेली जाएगी। सीरीज के मुकाबले वडोदरा और सूरत में आयोजित होंगे। भाविका अहीरे को कप्तानी के साथ विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी दी गई है। उनके अलावा श्रेया एस चव्हाण को दूसरे विकेटकीपर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। 15 सदस्यीय टीम में इरा जाधव, निधि महतो, पूर्वा सिवाच, मेहक नरवसे और मैत्री मनियार समेत कई युवा खिलाड़ियों को मौका मिला है।

वर्ल्ड कप की तैयारी के लिहाज से अहम सीरीज

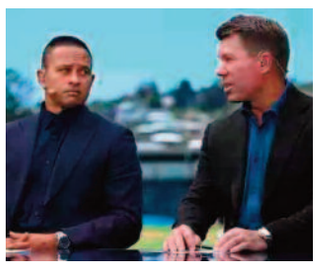
इंग्लैंड के खिलाफ यह पांच मैचों की सीरीज भारतीय टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण होगी। जनवरी 2027 में होने वाले आईसीसी यू-19 महिला टी 20 वर्ल्ड कप से पहले खिलाड़ियों को अपनी तैयारियां परखने का अच्छा मौका मिलेगा। इस सीरीज के जरिए टीम कॉम्बिनेशन, खिलाड़ियों की फॉर्म और मैदान पर उनके प्रदर्शन का आकलन किया जा सकेगा। सीरीज का पहला मुकाबला 26 नवंबर को वडोदरा में खेला जाएगा। इसी मैदान पर दूसरा टी20 आई मैच 28 नवंबर को होगा। इसके बाद दोनों टीमें सूरत पहुंचेंगी,जहां आखिरी तीन मुकाबले 1, 3 और 6 दिसंबर को खेले जाएंगे।

आईओसी ओलंपिक सॉलिडेरिटी कैंप के लिए मनाली के खिलाड़ी का चयन

मनाली,21 नवम्बर 2026। हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मनाली से संबंध रखने वाले युवा खिलाड़ी अक्षोभ्य नेगी का इटली में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के ओलंपिक सॉलिडेरिटी स्की माउंटेनियरिंग कैंप के लिए चयन हुआ है। यह उपलब्धि हिमाचल प्रदेश के शीतकालीन खेलों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अक्षोभ्य नेगी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने और स्की माउंटेनियरिंग की आधुनिक तकनीकों को समझने का अवसर मिलेगा।स्की माउंटेनियरिंग को संक्षेप में स्कीमो कहा जाता है। यह एक चुनौतीपूर्ण शीतकालीन खेल है, जिसमें खिलाड़ियों को बर्फ से ढके पहाड़ी रास्तों पर स्की की सहायता से चढ़ाई और उतराई करनी होती है। इस खेल में शारीरिक क्षमता,संतुलन,सहनशक्ति और तकनीकी दक्षता की विशेष आवश्यकता होती है। मनाली जैसे पर्वतीय क्षेत्र से आने वाले खिलाड़ी के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में चयन होना उल्लेखनीय उपलब्धि है। अक्षोभ्य नेगी का चयन उनके घरेलू प्रतियोगिताओं में किए गए प्रदर्शन के आधार पर हुआ है।



ख्वाजा और वॉर्नर पर बड़ा एक्शन, सैंडपेपरगेट विवाद के बीच कमेंट्री से बाहर



मेलबर्न,21 नवम्बर 2026। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में आठ साल पुराना सैंडपेपरगेट विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। साल 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान सामने आए बॉल टैंपरिंग मामले ने उस समय ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की छवि को बड़ा झटका दिया था। अब ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा में किए गए दावों ने इस विवाद को दोबारा सुर्खियों में ला दिया है। ख्वाजा ने अपनी किताब में दावा किया है कि गेंद से छेड़छाड़ की घटना के बारे में केवल तीन खिलाड़ियों को ही नहीं,बल्कि पूरी टीम को जानकारी थी। हालांकि,यह ख्वाजा का दावा है और इसे किसी नई आधिकारिक जांच के निष्कर्ष के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। साल 2018 में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की जांच के बाद तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उपकप्तान डेविड वॉर्नर और बल्लेबाज कैमरून बैनक्रॉफ्ट के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई थी। तीनों खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाया गया था। अब ख्वाजा के दावे ने इस सवाल को फिर सामने ला दिया है कि क्या उस समय गेंद से छेड़छाड़ की योजना के बारे में अन्य खिलाड़ियों को भी जानकारी थी।

आठ साल बाद फिर चर्चा में आया सैंडपेपरगेट विवाद

सैंडपेपरगेट विवाद मार्च 2018 में दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में खेले गए टेस्ट मैच के दौरान सामने आया था।उस मैच में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कैमरून बैनक्रॉफ्ट को गेंद की स्थिति बदलने के लिए सैंडपेपर का इस्तेमाल करते हुए कैमरे में देखा गया था।इस घटना के सामने आने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।गेंद से छेड़छाड़ क्रिकेट के नियमों के खिलाफ है। किसी भी खिलाड़ी द्वारा अनुचित तरीके से गेंद की सतह बदलने का प्रयास खेल की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है।इस मामले ने ऑस्ट्रेलियाई टीम की खेल भावना और नेतृत्व को लेकर गंभीर बहस शुरू कर दी थी।उस समय क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मामले की जांच की थी और तीन खिलाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की थी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने किया बड़ा ऐलान

पैट कमिंस की टेस्ट कप्तानी बरकरार,

मेलबर्न,21 नवम्बर 2026। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में 2018 के सैंडपेपर विवाद को लेकर एक बार फिर घमासान मचा हुआ है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा में गेंद से छेड़छाड़ की घटना को लेकर किए गए खुलासों के बाद मौजूदा टेस्ट कप्तान पैट कमिंस की भूमिका पर सवाल उठने लगे थे। माना जा रहा था कि इस विवाद के दोबारा सुर्खियों में आने से उनकी कप्तानी पर संकट पैदा हो सकता है। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार, 21 नवंबर को इन अटकलों पर विराम लगाते हुए कमिंस का खुलकर समर्थन किया। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया कि पैट कमिंस ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान बने रहेंगे। बोर्ड ने उनके नेतृत्व पर सर्वसम्मति से भरोसा जताया है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सर्वसम्मति से किया समर्थन

सैंडपेपर विवाद को लेकर लगातार बढ़ रही चर्चाओं के बीच क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष डेविड बून और मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने शुक्रवार को सिडनी में पैट कमिंस से मुलाकात की थी। इस बैठक में कप्तान की स्थिति, टीम को आवश्यक सहयोग और आगामी न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।इसके बाद शनिवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आधिकारिक बयान जारी किया। बोर्ड ने कहा कि 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे से जुड़े घटनाक्रम को लेकर लगातार हो रही अटकलों के बीच ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की विश्वसनीयता और इस घटना से प्रभावित लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने कमिंस को कप्तान के रूप में अपना सर्वसम्मत समर्थन देने का निर्णय लिया है।इस घोषणा के बाद कमिंस की कप्तानी को लेकर चल रही चर्चाओं पर फिलहाल विराम लग गया है।



दरअसल, यह पूरा विवाद पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ओपनर उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा में किए गए खुलासों के बाद दोबारा चर्चा में आया। ख्वाजा ने 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान केपटाउन टेस्ट में हुई गेंद से छेड़छाड़ की घटना को लेकर अपनी बात रखी थी।उनके दावे के अनुसार, गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी केवल उन तीन खिलाड़ियों तक सीमित नहीं थी, जिन पर कार्रवाई हुई थी, बल्कि टीम के अन्य सदस्यों को भी इसकी जानकारी थी। ख्वाजा के इन दावों के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में पुराने विवाद को लेकर एक बार फिर बहस शुरू हो गई।इस मामले में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उपकप्तान डेविड वॉर्नर और बल्लेबाज कैमरन बैनक्रॉफ्ट को पहले ही सजा मिल चुकी थी। लेकिन ख्वाजा की आत्मकथा में सामने आए दावों ने उस घटना में अन्य खिलाड़ियों की कथित जानकारी और जिम्मेदारी को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए।

पैट कमिंस ने आरोपों को बताया था गलत

उस्मान ख्वाजा के दावों के बाद पैट कमिंस ने भी अपनी स्थिति स्पष्ट की थी। उन्होंने एक लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस में गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी होने से इनकार किया था। कमिंस ने ख्वाजा के आरोपों को पूरी तरह गलत और निराधार बताया था।कमिंस का कहना था कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने इस योजना का हिस्सा होने या इसे तैयार करने में भूमिका निभाने के आरोपों को भी खारिज किया था।कमिंस ने यह भी कहा था कि उस्मान ख्वाजा उनके दोस्त रहे हैं, लेकिन किसी के जीवन और प्रतिष्ठा से जुड़े आरोप लगाते समय जिम्मेदारी बरतना जरूरी है। उनके इस बयान के बाद दोनों पूर्व साथियों के बीच विवाद और ज्यादा चर्चा में आ गया।

कैमरन बैनक्रॉफ्ट के बयान से बढ़ा विवाद

ख्वाजा की आत्मकथा के बाद ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कैमरन बैनक्रॉफ्ट के बयान ने भी मामले को नया मोड़ दिया। बैनक्रॉफ्ट वही खिलाड़ी थे,जिन्हें 2018 के केपटाउन टेस्ट के दौरान सैंडपेपर से गेंद की स्थिति बदलने की कोशिश करते हुए कैमरे में पकड़ा गया था।बैनक्रॉफ्ट ने एक लेख में उस घटना से जुड़ी अपनी यादें साझा कीं और संकेत दिया कि टीम के अन्य सदस्यों को भी इस योजना की जानकारी थी। उनके बयान के बाद कमिंस पर उठ रहे सवाल और तेज हो गए।वहीं, पूर्व कप्तान डेविड वॉर्नर ने भी ख्वाजा के पक्ष का समर्थन किया था। दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलियाई टीम के कुछ खिलाड़ियों ने गेंदबाजों को इस योजना की जानकारी होने के दावों को खारिज किया है।

धान खरीदी 15 दिन आगे बढ़ाई जाए : दीपक बैज

किसानों को 65,100 रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दे सरकार,तूफानों से हुआ बड़ा नुकसान

रायपुर,21 नवम्बर 2026। बेमौसम बारिश और तीन चक्रवाती तूफानों से फसल को हुए नुकसान के बीच कांग्रेस ने किसानों के लिए 65,100 रुपए प्रति एकड़ मुआवजे की मांग की है। साथ ही धान खरीदी की तारीख 15 दिन आगे बढ़ाने और खराब मौसम के कारण लैप्स हुए टोकन दोबारा जारी करने की मांग उठाई है। रायपुर में पत्रकार वार्ता के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आरोप लगाया कि,लाखों हेक्टेयर में धान की फसल खराब होने के बावजूद सरकार ने नुकसान का आकलन तक नहीं कराया है। पिछले 24 दिनों में आए तीन चक्रवाती तूफानों ने किसानों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। ये तूफान ऐसे समय आए,जब खेतों में धान की फसल तैयार थी। कई किसानों का धान कटकर खेतों में पड़ा था,लेकिन बेमौसम बारिश से भीगकर खराब हो गया। वहीं,खरीदी केंद्रों तक पहुंचा धान भी बारिश की चपेट में आया है।

21 क्विंटल धान और 3100 रुपए के हिसाब से मांगा मुआवजा : दीपक बैज ने कहा कि,कांग्रेस की मांग है कि धान के 21 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन और 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किसानों को 65,100 रुपए प्रति एकड़ क्षतिपूर्ति दी जाए। किसानों को हुए नुकसान की तत्काल गणना कर मुआवजा जारी किया जाना चाहिए।



टोकन लैप्स हुए,खरीदी की तारीख 15 दिन बढ़ाने की मांग...

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि,कई किसानों ने धान बेचने के लिए टोकन कटवा लिया था,लेकिन तीन-चार दिनों तक खराब मौसम के कारण वे खरीदी केंद्र नहीं पहुंच पाए। ऐसे किसानों के टोकन लैप्स हो गए। कांग्रेस ने मांग की है कि,प्रभावित किसानों को दोबारा टोकन जारी किया जाए और मौसम की स्थिति को देखते हुए धान खरीदी की तारीख 15 दिन आगे बढ़ाई जाए।

बस्तर के 1083 गांवों में नुकसान, 74 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित

बैज के मुताबिक,बस्तर क्षेत्र में 1083 गांवों के 74 हजार से अधिक लोग और 6154 हेक्टेयर से ज्यादा फसल प्रभावित हुई है। पूरे प्रदेश में लाखों हेक्टेयर धान की फसल को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि,पहले आए अर्नव और मुरासू तूफानों से हुए नुकसान का भी सरकार ने सर्वे नहीं कराया। अब तीसरे तूफान अकवान का असर भी किसानों पर पड़ा है।

पटवारी हड़ताल को लेकर सरकार पर सवाल : बैज ने कहा कि तीनों तूफानों के दौरान पटवारी हड़ताल पर रहे। फसल नुकसान का आकलन पटवारियों के माध्यम से कराया जाता है,लेकिन सरकार ने हड़ताल खत्म कराने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया। न ही सर्वे के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था बनाई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसानों को क्षतिपूर्ति देने के मामले में गंभीर नहीं है।

बीमा कंपनियों और राजस्व पुस्तिका 6/4 के तहत भी मुआवजे की मांग : कांग्रेस ने फसल बीमा कंपनियों को तत्काल नुकसान का आकलन कर किसानों को भुगतान करने के निर्देश देने की मांग की है। इसके अलावा राजस्व पुस्तिका 6/4 के आपदा राहत प्रावधानों के तहत भी किसानों को मुआवजा देने की बात कही है। पार्टी ने हर ब्लॉक में कृषि अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाकर बीमा कंपनियों के कामकाज की निगरानी कराने की मांग भी रखी है।

युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हेमांग जोशी आज आएंगे रायपुर

23 नवंबर को प्रदेश कार्यसमिति बैठक में होंगे शामिल,सीएम-डिप्टी सीएम भी रहेंगे मौजूद

रायपुर,21 नवम्बर 2026। भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हेमांग जोशी 22 और 23 नवंबर को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे रायपुर में युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक में शामिल होंगे। इसके अलावा खिलाड़ियों, युवा उद्यमियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से भी बातचीत करेंगे। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं के साथ नक्सल मुक्त बस्तर को लेकर चर्चा करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार,डॉ. जोशी 22 नवंबर को रात 9 बजे रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बाइक रैली निकालेंगे। रैली के दौरान जैनम मानस भवन, पीटीएस चौक,टेमरी चौक,फुंडहर चौक,मॉल श्री विहार चौक और राम मंदिर में उनका स्वागत किया जाएगा। 23 नवंबर को सुबह 7:30 बजे वे साइंस कॉलेज में खेल गतिविधियों में शामिल होंगे और खिलाड़ियों से बातचीत करेंगे। सुबह 8:30 बजे अग्रसेन भवन में युवतियों के साथ संवाद करेंगे। इसके बाद सुबह 11 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक में शामिल होंगे। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव,उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी शामिल होंगे। इसके अलावा प्रदेश सरकार के मंत्री,युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिया,पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहेंगे। बैठक में संगठन से जुड़े मुद्दों,आने वाले कार्यक्रमों और आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद दोपहर 2 बजे रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में आयोजित युवा जोहार (युवा संवाद) कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। शाम 4 बजे विधि,तकनीक,चिकित्सा,सोशल मीडिया,खेल,कृषि और दूसरे क्षेत्रों में काम कर रहे युवा उद्यमियों,सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रतिनिधियों से बातचीत करेंगे।



भाजपा ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय टीम घोषित,छत्तीसगढ़ से विधायक ललित चंद्राकर को मिली बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर,21 नवम्बर 2026। भारतीय जनता पार्टी ने ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) मोर्चा की राष्ट्रीय टीम में नई नियुक्तियों की घोषणा की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशानुसार जारी सूची में ललित चंद्राकर को छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा केंद्रीय कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ओबीसी मोर्चा में राष्ट्रीय पदाधिकारियों,राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों और अन्य दायित्वों पर नियुक्तियां की गई हैं। ये सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।



राष्ट्रीय महामंत्री भी नियुक्त

- गजेंद्र यादव (दिल्ली)
- प्रमोद मध्वराज (कर्नाटक)
- ललित चंद्राकार (छत्तीसगढ़)

सीएम साय और प्रदेश अध्यक्ष ने दी बधाई

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर को भाजपा ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय मंत्री बनाया गया। इसके लिए दुर्ग ग्रामीण विधायक और नव नियुक्त ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री ललित चंद्राकर को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने बधाई दी है।

किस-किस को मिली राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी?

- जोगेन मोहन (असम)
- ममता मोहंता (ओडिशा)
- संगम लाल गुप्ता (उत्तर प्रदेश)
- बबनराव रावजी चौधरी (महाराष्ट्र)
- सत प्रकाश राणा (दिल्ली)
- डॉ. अर्जुन साहनी (बिहार)
- संगीता बलवंत बिंद (उत्तर प्रदेश)

डेढ़ लाख रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ाई जीएसटी अधिकारी

छापा पड़ते ही नाली में फेंके नोटों के बंडल,गाड़ी छोड़ने कारोबारी से मांगे थे पैसे

कांकेर,21 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के कांकेर में एंटी करप्शन ब्यूरो ने जीएसटी अधिकारी अंचला गिरी को रिश्वत लेते पकड़ा है। अधिकारी ने एक स्क्रैप कारोबारी से गाड़ी छोड़ने के लिए डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी।

कारोबारी ने इसकी शिकायत एसीबी अधिकारियों से की थी। जांच के बाद शनिवार को एसीबी की टीम ने अधिकारी के घर पर रेड मारी। कारोबारी पहले ही पैसे लेकर अधिकारी के घर पहुंचा था। इसकी भनक लगते ही साथी इमरान मेमन ने रिश्वत की रकम नाली में फेंक दी। अधिकारी अंचला गिरी और इमरान को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल दोनों से पूछताछ की जा रही है। यह कार्रवाई जगदलपुर एसीबी की टीम ने की है।

10 लाख की पेनाल्टी लगाई, 2 लाख में मामला सेटल : शिकायतकर्ता कारोबारी मोहम्मद शोएब रंगरेज ने बताया कि 18 नवंबर को उनकी गाड़ी स्क्रैप लेकर जा रही थी। बिल होने के बावजूद गाड़ी को रोक लिया गया। उनका आरोप है कि अंचला गिरी जीएसटी में अधिकृत नहीं थीं, इसके बावजूद उन्होंने गाड़ी रुकवाई और 10 लाख रुपए की पेनाल्टी मांगी, जबकि गाड़ी में लोड माल की कीमत सिर्फ 3 लाख रुपए थी। कारोबारी के मुताबिक, अधिकारी ने गाड़ी जब्त करने और कार्रवाई करने की धमकी दी। मामला सेटल करने के लिए पहले 2 लाख रुपए मांगे गए, फिर डेढ़ लाख रुपए देने की बात हुई। इसमें से 50 हजार रुपए पेनाल्टी के तौर पर कटाने और बाकी रकम घर पहुंचकर देने की बात तय हुई।



रिश्वत दिलाने में मदद करने वाला भी पकड़ाया

एसीबी की जांच में इमरान मेमन की भूमिका भी सामने आई है। आरोप है कि जीएसटी अधिकारी अंचला गिरी ने कारोबारी से रिश्वत की रकम इमरान मेमन के जरिए ली। इमरान मेमन (30) कांकेर के संजयनगर का निवासी है। उसके खिलाफ भी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 12 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

इमरान लाया था रिश्वत के पैसे

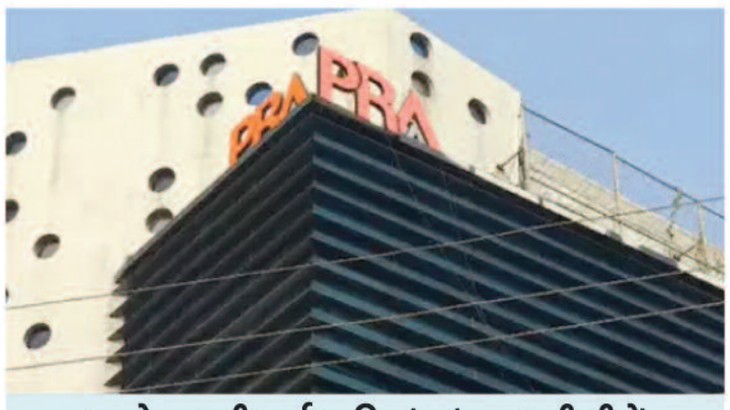
एसीबी अधिकारी रमेश कुमार मरकाम ने बताया कि रिश्वत की रकम मध्यस्थ इमरान मेमन लेकर आया था। उसने यह रकम जीएसटी अधिकारी अंचला गिरी को दी थी। मामले में इमरान की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

लोहा कारोबारियों के यहां 4 दिन से आईटी रेड जारी

225 करोड़ के लेन-देन की जांच,15 करोड़ कैश,20 करोड़ की ज्वेलरी मिलने की खबर

रायपुर,21 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के बड़े कारोबारी समूह पीआरए ग्रुप,बर्बरीक ग्रुप,रायगढ़ इस्पात और जेपी मित्तल से जुड़े ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी चौथे दिन शनिवार को भी जारी रही। 18 नवंबर से शुरू हुई इस कार्रवाई में अब तक रायपुर समेत छह जिलों में 32 से ज्यादा ठिकानों पर जांच की जा चुकी है। जांच में करीब 15 करोड़ रुपए नकद मिलने का अनुमान है, जबकि 25 बैंक लॉकरों से करीब 20 करोड़ रुपए की ज्वेलरी मिलने की खबर है। बर्बरीक कंस्ट्रक्शन के करीब 225 करोड़ रुपए के लेन-देन भी जांच के दायरे में हैं। आयकर विभाग की 120 सदस्यीय टीम सीआरपीएफ के 80 जवानों की सुरक्षा में कारोबारियों के घरों,दफ्तरों और फैक्ट्रियों के साथ उनसे जुड़ी कंपनियों के दस्तावेज, बैंक खाते और डिजिटल रिकॉर्ड खंगाल रही है।

जांच टीम में 120 आयकर अधिकारी : रायपुर,बिलासपुर,रायगढ़, जांजगीर-चांपा,सरगुजा और सूरजपुर में एक साथ चल रही इस कार्रवाई की निगरानी भोपाल की सेंट्रल टीम कर रही है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के करीब 120 आयकर अधिकारी सीआरपीएफ के 80 जवानों की सुरक्षा में जांच कर रहे हैं। अलग-अलग ठिकानों से मिल रही जानकारियां रायपुर कार्यालय भेजी जा रही हैं। विभाग ने अभी तक नकदी, आभूषण या संभावित कर चोरी को लेकर कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है।



कारोबार की कई कड़ियां खंगाल रही टीमें

जांच के दायरे में आए कारोबारी समूह सड़क,भवन,पुल निर्माण,स्टील,सरिया,स्पंज आयरन और कोयले के कारोबार से जुड़े हैं। प्रह्लाद राय अग्रवाल ने पीआरए ग्रुप की स्थापना की थी। यह समूह सड़क,भवन और पुल बनाने का काम करता है। वहीं,बर्बरीक ग्रुप और रायगढ़ इस्पात से जुड़ी कंपनियां निर्माण और स्टील कारोबार में सक्रिय हैं। बताया जा रहा है कि बर्बरीक ग्रुप और रायगढ़ इस्पात का कारोबार एक ही परिवार से जुड़ा है। परिवार के छह भाई अलग-अलग कंपनियों और कारोबार की जिम्मेदारी संभालते हैं। रायपुर मुख्यालय वाली बर्बरीक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड समूह की प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है। छत्तीसगढ़ के अलावा झारखंड और ओडिशा में भी इन समूहों को सरकारी निर्माण कार्यों के ठेके मिले हैं। आयकर विभाग की टीमें अब इन कंपनियों के बीच हुए लेन-देन,खरीद-बिक्री के बिल, बैंक खातों और घोषित कमाई का मिलान कर रही है।

शेयर में निवेश और आईपीओ की तैयारी भी जांच में : आयकर विभाग की जांच में कारोबारी समूहों के शेयर बाजार में किए गए निवेश की जानकारी भी खंगाली जा रही है। जानकारी के मुताबिक, रायगढ़ इस्पात लिमिटेड के शेयरों में निवेश और कंपनी की ओर से आईपीओ लाने की तैयारी से जुड़े पहलुओं की भी जानकारी सामने आई है। विभाग कंपनी के वित्तीय लेन-देन और कारोबारी समूह की दूसरी कंपनियों के बीच संबंधों की जांच कर सकता है।

डिजिटल सबूतों से खुलेगा लेन-देन का नेटवर्क : कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए लैपटॉप, पेन ड्राइव और दूसरे डिजिटल डिवाइस की जांच की जा रही है। इनके जरिए यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि अलग-अलग कंपनियों के बीच कितने रुपए का लेन-देन हुआ और किन बैंक खातों से रकम भेजी गई। इसके साथ ही कागजों में दिखाए गए कारोबार और असल में हुए लेन-देन का मिलान किया जा रहा है। बैंक लॉकरों से मिली ज्वेलरीकी कीमत का आकलन और जब्त दस्तावेजों की जांच भी जारी है। रायगढ़ में बर्बरीक ग्रुप और रायगढ़ इस्पात से जुड़े ठिकानों पर जांच के बाद ढिमरापुर स्थित कृष्णा कॉम्प्लेक्स के तीन कार्यालयों में भी आयकर विभाग की टीम पहुंची। इनमें मुदणा होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड का कार्यालय भी शामिल है।

दिल्ली से लौटे सीएम साय ने कहा...छत्तीसगढ़ की संस्कृति को मिल रही वैश्विक पहचान,भारत मंडपम में प्रदेश के उत्पादों की धूम

रायपुर,21 नवम्बर 2026। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दिल्ली से रायपुर लौटे। एयरपोर्ट पर सीएम ने कहा कि नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के माध्यम से छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और पारंपरिक उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। छत्तीसगढ़ राज्य दिवस के अवसर पर मेले में प्रदेश के विभिन्न उत्पादों के स्टॉल लगाए गए हैं,जहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं और स्थानीय उत्पादों की खरीदारी भी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मेले में कोसा वस्त्र,बेल मेटल, हथकरघा से निर्मित कपड़े, टेराकोटा सहित छत्तीसगढ़ के पारंपरिक हस्तशिल्प और उत्पादों के स्टॉल लगाए गए हैं। इसके साथ ही सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ के कलाकारों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को देश-दुनिया तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में लोगों की भागीदारी और स्थानीय उत्पादों के प्रति उत्साह प्रदेश के लिए अच्छी बात है।



विश्व बैंक की रिपोर्ट पर पीएम मोदी को दिया श्रेय

विश्व बैंक की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार पिछले 12 वर्षों में देश के 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम बताया। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

26 नवंबर का मुख्यमंत्री जनदर्शन बढ़ सकता है आगे

मुख्यमंत्री जनदर्शन को लेकर भी विष्णुदेव साय ने महत्वपूर्ण संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 26 नवंबर को जनदर्शन आयोजित करने की योजना है, लेकिन इसी दिन संविधान दिवस भी है। ऐसे में जनदर्शन कार्यक्रम को थोड़ा आगे बढ़ाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 नवंबर को संविधान दिवस होने के कारण जनदर्शन की तारीख में बदलाव किया जा सकता है। हालांकि, कार्यक्रम की नई तारीख को लेकर अभी अंतिम निर्णय सामने नहीं आया है।

वीरांगना शौर्य उत्सव में घोषणा...रायपुर में बनेगा सेवा पार्क,बिरसा मुंडा जयंती पर बच्चों ने सुआ नृत्य और राउत नाचा की प्रस्तुतियां दी

रायपुर,21 नवम्बर 2026। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर शनिवार को रायपुर में जनजातीय गौरव दिवस एवं वीरांगना शौर्य उत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला प्रशासन ने शहर में 'सेवा पार्क' बनाने की घोषणा की। यहां लोग जन्मदिन,शादी की सालगिरह और दूसरे खास मौकों पर जरूरतमंदों के लिए कपड़े, किताबें,खिलौने और स्टेशनरी दान कर सकेंगे। रायपुर के पं. जवाहरलाल नेहरू आयोजन के दौरान जनजातीय समाज के इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और वीर नायकों के योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में मंत्री केदार कश्यप मुख्य अतिथि थे। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कार्यक्रम में जानकारी दी की जन्मदिन,शादी की सालगिरह या किसी खास मौके पर अब रायपुर के लोग जरूरतमंदों के लिए दान कर सकेंगे। इसके लिए शहर में 'सेवा पार्क' बनाया जाएगा। यहां लोग अपनी खुशी के मौकों पर कपड़े, किताबें,खिलौने,स्टेशनरी सहित उपयोगी सामान दान कर सकेंगे। जिला प्रशासन इस पहल के जरिए सेवा महाकुंभ के तहत चल रही गतिविधियों को स्थायी स्वरूप देने की तैयारी कर रहा है। जिला प्रशासन की ओर से सेवा महाकुंभ के माध्यम से जरूरतमंदों के लिए किताबें, कपड़े,खिलौने और स्टेशनरी एकत्र की जा रही है। इन सामग्रियों को जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जा रहा है।



दवा कारोबारी शशांक से 15 करोड़ की रंगदारी मांगी

वॉट्सऐप कॉल पर खुद को बिश्नोई गैंग का बताया,कारोबारी को विस्फोट से उड़ाने की धमकी

दुर्ग-भिलाई,21 नवम्बर 2026। दुर्ग में दवा कारोबारी और मोक्षित कॉर्पोरेशन के डायरेक्टर शशांक चोपड़ा से 15 करोड़ रुपए की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। 19 नवंबर को उन्हें वॉट्सऐप पर धमकी भरा वॉइस नोट मिला। इसके साथ कॉल करके भी धमकाया गया। वॉइस नोट और कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताते हुए धमकी दी कि रकम नहीं देने पर परिवार के एक सदस्य की हत्या कर देंगे।

धमकी मिलने के बाद कारोबारी ने उसी दिन शाम को कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई। परिवार की सुरक्षा के लिए घर के बाहर तीन दिन से पुलिस तैनात है। मामला दुर्ग के कोतवाली थाना इलाके का है।



घर के बाहर पुलिस तैनात, नंबर की जांच जारी : शिकायत मिलने के बाद दुर्ग पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है। कारोबारी के घर के बाहर पुलिस की टीम तैनात की गई है। पुलिस वॉट्सऐप पर आए वॉइस मैसेज और कॉल औ उससे जुड़े नंबर की जांच कर रही है। दूसरे तकनीकी सबूत भी जुटाए जा रहे हैं। हालांकि, पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग की संलिप्तता से इनकार किया है। जांच की जा रही है कि वॉइस मैसेज भेजने वाले का गैंग से वास्तव में कोई संबंध है या उसने सिर्फ नाम लेकर कारोबारी को डराने की कोशिश की है।

मेडिकल खरीदी मामले में भी चर्चा में रहे हैं शशांक : शशांक चोपड़ा की फर्म मेडिकल उपकरण,जांच में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और स्वास्थ्य से जुड़ा सामान सप्लाई करती है। उनका नाम छत्तीसगढ़ में मेडिकल उपकरण और री-एजेंट की खरीदी से जुड़े कथित घोटाले में भी सामने आया था। इस मामले मे एसीबी और ईओडब्ल्यू ने जनवरी 2025 में केस दर्ज किया था। बाद में प्रवर्तन निदेशालय ने भी लेनदेन की जांच शुरू की। जांच एजेंसियों ने खरीदी में गड़बड़ी और सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए थे। इस मामले में शशांक चोपड़ा को गिरफ्तार भी किया गया था। बाद में उन्हें अलग-अलग मामलों में अदालत से जमानत मिली।

मैटरनिटी लीव के लिए टीचर से 60 हजार मांगे

बेमेतरा के आत्मानंद स्कूल के प्रिंसिपल के खिलाफ शिकायत,कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश...

बेमेतरा,21 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में महिला टीचरों ने प्रिंसिपल पर मैटरनिटी लीव के लिए 60 हजार रुपए मांगने का आरोप लगाया है। स्कूल में पदस्थ संविदा टीचरों ने कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं से मुलाकात कर प्राचार्य जीआर चतुर्वेदी के खिलाफ शिकायत की है। आरोप है कि पैसे नहीं देने पर प्रिंसिपल ने सैलरी में कटौती करने और नौकरी से निकालने की धमकी दी। इसके साथ ही स्कूल में पढ़ाने वाली 16 महिला टीचर्स से 10-10 हजार रुपए मांगे गए। पैसे नहीं देने पर CR खराब करने की धमकी दी गई। मामला दाढ़ी के आत्मानंद स्कूल का है। इस मामले में प्रिंसिपल जीआर ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में किसी संविदा टीचर ने मैटरनिटी लीव नहीं लिया है। शिकायत करने पहुंची महिला टीचर नंदिनी वर्मा ने आरोप लगाया कि उनका मैटरनिटी लीव पहले स्वीकृत हो चुका था, लेकिन वर्तमान प्राचार्य इसे मानने से इनकार कर रहे हैं। टीचर का दावा है कि छुट्टी के बदले उनसे 45 से 60 हजार रुपए मांगे गए। महिला टीचरों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। महिला टीचर्स का आरोप है कि वसूली और दबाव का मामला केवल एक टीचर तक सीमित नहीं है। स्कूल के 16 अन्य संविदा शिक्षकों पर भी दबाव बनाया जा रहा है।



प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)